वर्ष : 33 ▸ अंक : 101 ▸ पृष्ठ : 8 ▸ मुंबई, गुरुवार, 27 जून 2024 ▸ RNI: MAHHIN/49994/91 ▸ मूल्य : 3 रुपए ▸ epaper.dobajedopahar.com ▸ संपादक : अरुण लाल

दो बजे दोपहर

मुंबई, नवी मुंबई, ठाणे, पालघर, रायगढ़, नासिक, पुणे से एक साथ प्रकाशित

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

आज से मानसून सत्र का आगाज

हंगामेदार रहेगा सत्र ● विपक्ष ने किया शिंदे के चायपान का बहिष्कार

नितिन तोरस्कर । मुंबई

महाराष्ट्र विधानमंडल का वर्षाकालीन सत्र गुरुवार से शुरू हो रहा है। मुंबई में सितंबर-अक्टूबर में होने वाले राज्य विधानसभा चुनाव से पहले यह आखिरी सत्र होगा और बजट 28 जून को पेश किया जाएगा। लोकसभा चुनावों के बाद होने वाले इस मानसून सत्र के हंगामेदार रहने की उम्मीद है। लोकसभा चुनाव में बड़ी जीत के कारण विपक्ष उत्साहित है। वह महा विकास अघाड़ी (एमवीए) भी किसानों की आत्महत्या, सूखा, पेपर लीक और ओबीसी रिजर्वेशन समेत कई मुद्दों को लेकर सरकार को घेरने के लिए तैयार है।लोकसभा चुनाव में महा विकास अघाड़ी को 30 और महायुति को सिर्फ 17 सीटें मिली थीं। एक सीट एआईएआईएम के खाते में गई थी। अब महायुति के सामने विधानसभा चुनाव में जीतने की चुनौती है। अभी लोकसभा चुनाव के नतीजों के हिसाब से एमवीए 160 सीटें जीत सकती है, जबकि महायुति के खाते में करीब 110 सीटें ही आएंगी। 18 सीटें अन्य के खाते में जाएंगी। अभी एमवीए की सरकार ओबीसी रिजर्वेशन, पेपर लीक मामला और किसानों के मुद्दे पर भी घिरी है। इस समीकरण के हिसाब से एमवीए के पास भरपाई के लिए कुछ ही मौके हैं, बजट उनमें से एक है। लोकसभा चुनाव के कारण पिछली फरवरी में अंतरिम बजट पेश किया था। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि मानसून सत्र में डिप्टी सीएम अजित पवार सभी को खुश करने वाला चुनावी बजट पेश करेंगे। खासकर सभी जातियों और अल्पसंख्यकों को खुशखबरी मिलने के संकेत हैं।

ओबीसी और किसानों पर बड़े ऐलान का संभावना

मराठा रिजर्वेशन की मांग कर रहे मनोज जरांगे ने 13 जुलाई तक की मोहलत दी है। दूसरी ओर लक्ष्मण हाके और नवनाथ वाघमारे ओबीसी कोटे में मराठों को शामिल करने का विरोध कर रहे हैं। विपक्ष भी महाराष्ट्र में जातीय जनगणना की मांग कर रहा है। इन सब चुनौतियों के निपटने के लिए बजट में ओबीसी के लिए बड़ी घोषणा की उम्मीद की जा रही है। इसके अलावा किसानों के लिए मुआवजे का ऐलान भी हो सकता है। सूखे से राहत के लिए सरकार फसलों के समर्थन मूल्य में बढ़ोतरी कर सकती है। इसके अलावा अल्पसंख्यकों को भी राहत देने की तैयारी की जा रही है। इसके अलावा महिलाओं और युवाओं के लिए भत्ता देने जैसे नई स्कीमों की घोषणा हो सकती है। नागपुर-रत्नागिरी नेशनल हाइवे में जिन किसानों की जमीन का अधिग्रहण किया गया है, उनके लिए भी मुआवजे की रकम को बढ़ाया जा सकता है। मानसून सत्र के दौरान ही मंत्रिमंडल का विस्तार भी संभव है। अभी मंत्रिमंडिल में 14 नए मंत्री शामिल किए जा सकते हैं।

चायपान का बहिष्कार : मानसून सत्र से पूर्व बुधवार को मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की ओर से आयोजित चायपान का विपक्ष ने बहिष्कार किया। विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष विजय वडेट्टीवार ने बुधवार को कहा कि राज्य सरकार की गलत नीतियों से राज्य की जनता परेशानी में हैं। किसानों की हालत खराब है, ऐसे में मुख्यमंत्री का चायपान करने का कोई मतलब नहीं बनता है। आज विपक्षी पार्टियों के नेताओं ने विजय बडेट्टीवार के शासकीय आवास पर बैठक बुलाई गई, जिसमें चायपान कार्यक्रम के बहिष्कार का फैसला लिया गया। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार ने राज्य को गड्ढे में डालने का काम किया है। राज्य सरकार का यह आखिरी सत्र है। हाल ही में संपन्न लोकसभा चुनाव में आम जनता ने इस सरकार को उनकी जगह बता दी है।

शिंदे ने साधा विपक्ष पर निशाना : महाराष्ट्र विधानसभा का मानसून सत्र शुरू होने से पहले बुधवार को मुख्यमंत्री एक नाथ शिंदे और दोनों डिप्टी सीएम सामने आए और विपक्ष के आरोपों का खंडन किया। शिंदे के साथ उप मुख्यमंत्री अजित पवार और देवेंद्र फडणवीस ने विपक्ष पर करारे प्रहार किए। सीएम शिंदे ने कहा कि विपक्ष ढिंढोरा पीट रहा है कि लोकसभा में विपक्ष को जीत मिली, वह तीन चुनाव में 99 पर पहुंचे हैं तो क्या 250 सीट पहुंचने में 25 साल लेंगे। सीएम ने चाय समारोह का बहिष्कार करने पर भी विपक्ष पर हमला बोला। सीएम एकनाथ शिंदे ने कहा कि ये साल का आखिरी अधिवेशन है, जो कल से शुरू हो रहा है।

राहुल गांधी जपेंगे हरीनाम !

आषाढ़ी वारी में हो सकते हैं शामिल

दोपहर संवाददाता । पुणे

राज्य में जल्द ही आषाढ़ी वारी शुरू हो रही है। वैष्णवों के इस मेले के लिए राज्य भर में जोरदार तैयारियां की जा रही हैं। देहु और आलंदी में प्रस्थान की तैयारी चल रही है और रथों और पालकियों को सजाया जा रहा है। इस बीच राज्य में जल्द ही विधानसभा चुनाव भी होने वाले हैं। इसलिए वारी में कई राजनेता भी हिस्सा लेंगे। वारी में वरिष्ठ नेता शरद पवार भी शामिल होने वाले हैं। चर्चा है कि उनके साथ कांग्रेस नेता राहुल गांधी भी वारी में शामिल होंगे।

राहुल गांधी से वारी से जुड़ने का अनुरोध

महाराष्ट्र में कांग्रेस पदाधिकारियों ने राहुल गांधी से आषाढ़ी वारी में शामिल होने का अनुरोध किया है। चूंकि यह राज्य में वारकरी समुदाय के लिए एक अनूठा समारोह है, इसलिए कांग्रेस पदाधिकारी इसमें शामिल होना चाहते हैं। साथ ही आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर कांग्रेस के लिए यह एक अहम मौका होने वाला है। इसलिए पदयात्रा के बाद राहुल गांधी ने पैदल आषाढ़ी वारी में शामिल होने का अनुरोध किया है। राहुल गांधी 13 या 14 जुलाई को पंढरपुर आकर भगवान पांढुरंग के दर्शन करेंगे। कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने भी इसकी पुष्टि की है।

शरद पवार पैदल यात्रा में शामिल होंगे

हर साल आषाढ़ी पालकी समारोह में 'एक दिन तो वारी का अनुभव करो' यह गतिविधि आयोजित की जाती है। इसमें लेखक, बुद्धिजीवी, पत्रकार, सामाजिक कार्यकर्ता, कलाकार भाग लेते हैं। शरद पवार इस साल इस कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे। शरद पवार बारामती से इंदापुर के संसार तक 17 किलोमीटर की पैदल दूरी तय करेंगे। 7 जुलाई को संत तुकाराम की पालकी समारोह के दौरान मंडली बारामती से संसार तक पैदल यात्रा करेगी।

न्यूज़ ब्रीफ

केजरीवाल को 3 दिन की CBI रिमांड

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को ट्रायल कोर्ट ने तीन दिन की CBI कस्टडी में भेज दिया है। कोर्ट ने उन्हें इजाजत दी है कि वे रोजाना अपनी पत्नी से और तीस मिनट अपने वकील से मिल सकेंगे। इसके साथ उन्हें अपनी दवाएं रख सकेंगे और उनके लिए घर का खाना आ सकेगा। बुधवार सुबह CBI ने शराब नीति केस में भ्रष्टाचार के आरोप में केजरीवाल को गिरफ्तार किया था। इसके बाद CBI ने उन्हें ट्रायल कोर्ट में पेश कर 5 दिन की कस्टडी मांगी। कोर्ट ने करीब 4 घंटे तक दलीलें सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया था। शाम 7 बजे कोर्ट ने फैसला सुनाया। अगली सुनवाई 29 जून को होगी।

▸ पेज 8 भी देखें

जम्मू-कश्मीर के डोडा में तीन आतंकवादी ढेर

डोडा। जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले के गंडोह इलाके में बुधवार (26 जून) को सुरक्षाबलों ने तीन आतंकियों को मार गिराया है। सुबह 2-3 आतंकियों के इलाके में छिपे होने की सूचना के बाद पुलिस और सेना ने सर्च ऑपरेशन लॉन्च किया था, जिसके बाद सुबह 9.50 बजे एनकाउंटर शुरू हुआ। इस एनकाउंटर में जम्मू-कश्मीर पुलिस में तैनात स्पेशल ऑपरेशंस ग्रुप का जवान भी घायल हुआ है। आशिक हुसैन नाम के इस जवान को डोडा के सरकारी मेडिकल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यहां डॉक्टरों ने बताया है कि उनके दाहिने पैर में गोली लगी है।

विधानसभा परिषद चुनाव : चार सीटों के लिए हुआ मतदान

मुंबई। महाराष्ट्र विधान परिषद की चार सीटों के लिए मतदान हुआ। ये चार सीटें मुंबई ग्रेजुएट, कोंकण ग्रेजुएट, मुंबई टीचर्स और नाशिक टीचर्स है। चुनाव के नतीजे एक जुलाई को घोषित किए जाएंगे। बताया जा रहा है कि इन सीटों का कार्यकाल सात जुलाई को खत्म होने वाला है। विपक्षी महा विकास अघाड़ी सहयोगियों में शिवसेना (यूबीटी) मुंबई ग्रेजुएट, मुंबई टीचर्स, नासिक टीचर्स सीटों पर चुनाव लड़ रही है, जबकि कांग्रेस ने कोंकण ग्रेजुएट सीट पर अपना उम्मीदवार उतारा है। वहीं, सत्तारूढ़ पक्ष की ओर से भाजपा मुंबई ग्रेजुएट, कोंकण ग्रेजुएट सीटों पर चुनाव लड़ रही है।

मौसम

	तापमान	नमी
मुंबई	29.0-23.0	85%

सूर्यास्त	गुरुवार	07:19 बजे
सूर्योदय	शुक्रवार	06:03 बजे

जीका वायरस ने दी टेंशन

एक डॉक्टर और उनकी बेटी पॉजिटिव

धीरज सिंह । पुणे

महाराष्ट्र के पुणे शहर में चिंताजनक खबर सामने आई है। यहां एक डॉक्टर और उनकी बेटी के जीका वायरस से संक्रमित होने की पुष्टि हुई है। हालांकि उनकी हालत स्थिर है। एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुणे नगर निगम (पीएमसी) के एक स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि डॉक्टर को बुखार आया और शरीर पर चकत्ते हो गए। इसके बाद उन्हें एक प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया गया। अस्पताल ने उनके ब्लड के सैंपल पुणे के राष्ट्रीय विषाणु विज्ञान संस्थान (एनआईवी) को जांच के लिए भेजे थे। उन्होंने बताया कि 21 जून को रिपोर्ट आई। इसमें डॉक्टर के जीका वायरस से संक्रमित होने की पुष्टि हुई।

एडीज मच्छर के काटने से फैलता है जीका वायरस

पुणे नगर निगम (पीएमसी) के स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि डॉक्टर पुणे के एरंद्वाने इलाके का रहने वाले हैं। अधिकारी ने बताया कि डॉक्टर के संक्रमित होने के बाद उनके परिवार के पांच सदस्यों के ब्लड के सैंपल भी जांच के लिए भेजे गए। जांच में उनकी 15 साल की बेटी के संक्रमित होने की पुष्टि हुई। जीका वायरस संक्रमित एडीज मच्छर के काटने से फैलता है। मच्छर की इसी प्रजाति को डेंगू और चिकनगुनिया जैसे संक्रमण फैलाने के लिए भी जिम्मेदार माना जाता है। इस वायरस की सबसे पहले 1947 में युगांडा में पहचान हुई थी।

पुणे में दो मामले सामने आए

अधिकारी ने बताया कि शहर में ये दो मामले सामने आने के बाद नगर निकाय के स्वास्थ्य विभाग ने निगरानी शुरू कर दी है। उन्होंने बताया कि हालांकि क्षेत्र में कोई अन्य संदिग्ध मामला नहीं है फिर भी अधिकारियों ने मच्छरों के प्रजनन को रोकने के लिए एहतियाती कदम उठाने शुरू कर दिए हैं।

जीका से कोई गंभीर समस्या नहीं

उन्होंने कहा कि राज्य स्वास्थ्य विभाग ने मच्छरों के नमूने एकत्र किए हैं। हमने क्षेत्र में आम जनता को जागरुक करना शुरू कर दिया है। साथ ही क्षेत्र में गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य की निगरानी करने के निर्देश दिए गए हैं। आम तौर पर जीका से कोई गंभीर समस्या नहीं होती हैं लेकिन अगर कोई गर्भवती महिला संक्रमित होती है तो उससे उसके भ्रूण में 'माइक्रोसेफेली' (ऐसी स्थिति जिसमें शिशु के सिर का आकार सामान्य से छोटा होता है) हो सकती है।

आरएसएस टिप्पणी मामला

राहुल गांधी की याचिका पर फैसला सुरक्षित

दीपक पवार । मुंबई

बॉम्बे हाईकोर्ट ने बुधवार को कांग्रेस पार्टी के सांसद (एमपी) राहुल गांधी की दायर याचिका पर अपना फैसला सुरक्षित रखा। याचिका में मजिस्ट्रेट कोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी गई थी, जिसमें आरएसएस कार्यकर्ता राजेश कुंटे को मानहानि मामले में एक अतिरिक्त सीडी और दस्तावेज को स्वीकार किया था। न्यायमूर्ति पृथ्वीराज चव्हाण की एकल पीठ के समक्ष राहुल गांधी की ओर से वकील कुशल मोरे की दायर याचिका पर सुनवाई हुई।इस दौरान आरएसएस कार्यकर्ता राजेश कुंटे की ओर से पेश हुए वकील तपन थत्ते ने दलील दी कि राहुल गांधी शिकायतकर्ता को दस्तावेज दिखाने की भी अनुमति नहीं दे रहे हैं। दस्तावेज की वास्तविकता साबित करने की जिम्मेदारी शिकायतकर्ता पर होनी चाहिए। राहुल गांधी की ओर से पेश हुए वकील सुदीप पासबोला ने कहा कि मजिस्ट्रेट ने दस्तावेज को सिर्फ पहचान के लिए नहीं, बल्कि 'दस्तावेज' के तौर पर चिह्नित किया था। उन्होंने कहा कि अगर इसे दस्तावेज के तौर पर जोड़ा जाता है, तो इसका मतलब होगा कि दस्तावेज साबित हो गया है। पीठ ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अपना फैसला सुरक्षित रखा है।

भिवंडी मजिस्ट्रेट कोर्ट में मानहानि की दर्ज है शिकायत

2021 में आरएसएस कार्यकर्ता ने राहुल गांधी की 2014 की याचिका से विशिष्ट दस्तावेजों को संलग्न करने की उनकी याचिका को खारिज करने के ट्रायल कोर्ट के फैसले को चुनौती दी थी। तब हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया था कि राहुल गांधी को ऐसे दस्तावेजों को शामिल करने को स्वीकार करने या खंडन करने के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता। राहुल गांधी ने अपनी याचिका में दलीलें दी कि आदेश और पूरी याचिका का दस्तावेज साक्ष्य और आपराधिक न्यायशास्त्र के स्थापित सिद्धांतों के पूरी तरह विपरीत है। जिस दस्तावेज को साक्ष्य के रूप में संलग्न करने की अनुमति दी गई थी, वह राहुल गांधी द्वारा दिया गया एक भाषण था, जिसमें उन्होंने कथित तौर पर कहा था कि आरएसएस के लोगों ने गांधी जी को गोली मारी और उनके लोग गांधी जी की बात करते हैं। सरदार पटेल कांग्रेस पार्टी के नेता थे, उन्होंने आरएसएस के बारे में साफ-सुथरा लिखा है। उनके संगठन के बारे में बहुत साफ-सुथरा लिखा है। याचिका में आगे कहा गया है कि आरएसएस कार्यकर्ता द्वारा अपने स्वयं के दस्तावेजों द्वारा भाषण को साबित करने के बजाय कथित भाषण की प्रतिलिपि को स्वीकार करने का एक छिपा हुआ प्रयास है।

जेजे फ्लाईओवर पर स्कूल बस का एक्सीडेंट, 1 छात्र गंभीर

मुंबई। मुंबई के जेजे फ्लाईओवर पर बुधवार को एक स्कूल बस दुर्घटना का शिकार बन गया। इस दुर्भाग्यपूर्ण हादसे में एक छात्र गंभीर जख्मी हुआ है। बताया जा रहा है कि आज सुबह दक्षिण मुंबई में बच्चों को ले जा रही एक स्कूल बस जेजे फ्लाईओवर की साइड की दीवार से टकरा गई। मिली जानकारी के मुताबिक, हादसे के वक्त बस में 20 स्कूली बच्चे सवार थे। एक बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गया है। जिसका इलाज चल रहा है। कथित तौर पर दुर्घटना तब हुई जब स्कूल बस के चालक ने दूसरे वाहन से आगे निकलने की कोशिश की और नियंत्रण खो दिया और रेलिंग से टकरा गया। पायधुनी पुलिस ने चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पायधुनी पुलिस ने आरोपी बस चालक लालू कुमार संटू (24 वर्ष) को गिरफ्तार कर लिया है। हादसे के बाद जख्मी हुए 12 वर्षीय छात्र इरफान को जेजे अस्पताल में भर्ती कराया गया।

गलत तरीके से सिम खरीदी तो 50 लाख जुर्माना, 3 साल की सजा

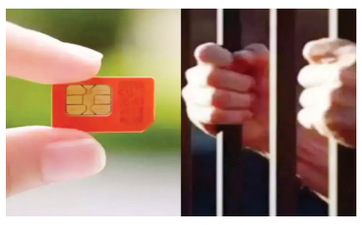

नई दिल्ली। देश में 26 जून से नया 'टेलिकम्युनिकेशन एक्ट 2023' लागू हो गया है। अब भारत का कोई भी नागरिक जिंदगी भर 9 से ज्यादा सिम कार्ड नहीं ले सकेगा। अगर इससे ज्यादा सिम खरीदता है तो जुर्माना लगेगा। गलत तरीकों से सिम लेने पर 3 साल जेल और 50 लाख तक का जुर्माना लगेगा। नया कानून सरकार को राष्ट्रीय सुरक्षा कारणों से किसी भी टेलिकॉम सर्विस या नेटवर्क और मैनेजमेंट को टेक ओवर करने या उसे सस्पेंड करने की अनुमति देता है। युद्ध जैसी स्थिति में जरूरत पड़ने पर सरकार टेलिकॉम नेटवर्क पर मैसेजेज को इंटरसेप्ट कर सकेगी। नए नियम के तहत भारत का कोई भी व्यक्ति पूरी जिंदगी में 9 से ज्यादा सिम कार्ड नहीं ले पाएगा। वहीं, जम्मू कश्मीर और नॉर्थ-ईस्ट राज्यों के लोग अधिकतम 6 सिम कार्ड ही ले सकेंगे। इससे ज्यादा सिम लेने पर पहली बार 50,000 रुपए और इसके बाद हर बार 2 लाख रुपए के जुर्माने का प्रावधान है।

फैसला ▸ बॉम्बे हाईकोर्ट ने 9 मुस्लिम छात्रों की खारिज की याचिका

हिजाब, नकाब, बुर्का और टोपी पर जारी रहेगा बैन

मुनीब चौरसिया । मुंबई

बांबे हाई कोर्ट ने मुंबई के एक कालेज के अपने परिसर में हिजाब, बुर्का और नकाब पर प्रतिबंध लगाने के फैसले में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया। चेंबूर ट्रांबे एजुकेशन सोसाइटी के एनजी आचार्य और डीके मराठे कालेज के एक ड्रेस कोड लागू करने के निर्देश को चुनौती देते हुए नौ मुस्लिम छात्राओं ने इस महीने की शुरुआत में बांबे हाई कोर्ट का रुख किया।

कॉलेज परिसर के अंदर नहीं पहन सकते है यह सब

इसके तहत छात्र-छात्राएं कॉलेज परिसर के अंदर हिजाब, नकाब, बुर्का, स्टोल, टोपी और बैज नहीं पहन सकते।जस्टिस एएस चंदुरकर और राजेश पाटिल की खंडपीठ ने बुधवार को कहा कि वह कालेज के लिए गए फैसले में हस्तक्षेप करने के इच्छुक नहीं हैं। इसके खिलाफ नौ मुस्लिम छात्राओं की ओर से दायर याचिका खारिज कर दी, जो विज्ञान डिग्री पाठ्यक्रम के दूसरे और तीसरे वर्ष में हैं।

ड्रेस कोड एक वाट्सएप संदेश के जरिए सब पर थोपा गया

याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश अधिवक्ता अल्ताफ खान ने कहा कि इस मामले को कर्नाटक हाई कोर्ट के फैसले से अलग रखें। चूंकि यह मामला सीनियर कालेज के छात्राओं का है जहां यूनिफार्म नहीं होती है। उन्होंने आरोप लगाया कि ड्रेस कोड एक वाट्सएप संदेश के जरिए सब पर थोपा गया है। इससे याचिकाकर्ताओं की चुनाव करने की आजादी, शारीरिक पवित्रता और स्वायत्तता को ठेस पहुंचती है। जबकि कालेज प्रशासन का कहना है कि यह अनुशासनात्मक फैसला सभी जाति व धर्म के छात्र-छात्राओं के लिए है।

फैसला मुस्लिम समुदाय के खिलाफ नहीं

यह फैसला मुस्लिम समुदाय के खिलाफ नहीं है। चेंबूर ट्रांबे एजुकेशन सोसाइटी के एनजी आचार्य और डीके मराठे कालेज द्वारा एक ड्रेस कोड लागू करने के निर्देश को चुनौती देते हुए छात्रों ने इस महीने की शुरुआत में हाई कोर्ट का रुख किया, जिसके तहत छात्र-छात्राएं कालेज परिसर के अंदर हिजाब, नकाब, बुर्का, स्टोल, टोपी और बैज नहीं पहन सकतीं। याचिकाकर्ताओं ने दावा किया कि ऐसा निर्देश उनके धर्म का पालन करने के मौलिक अधिकारों, निजता के अधिकार और पसंद के अधिकार के खिलाफ है।

ओम बिरला लगातार दूसरी बार बने लोकसभा स्पीकर

नई दिल्ली। ओम बिरला लगातार दूसरी बार लोकसभा के स्पीकर चुने गए। बुधवार, 26 जून को सदन की कार्यवाही शुरू होते ही प्रोटेम स्पीकर भर्तृहरि महताब ने स्पीकर के चुनाव की घोषणा की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिरला के नाम का प्रस्ताव रखा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह समेत NDA के नेताओं ने समर्थन किया। सदन में ध्वनिमत से बिरला के नाम का प्रस्ताव स्वीकार कर लिया गया। इसके बाद PM मोदी और विपक्ष के नेता राहुल गांधी उन्हें चेयर तक छोड़ने आए। इससे पहले शिवसेना (यूटीबी) सांसद अरविंद सावंत ने कांग्रेस सांसद के. सुरेश को लोकसभा अध्यक्ष के रूप में चुने जाने का प्रस्ताव रखा। सदन की कार्यवाही ढाई घंटे (सुबह 11 बजे से दोपहर डेढ़ बजे तक) चली।

▸ पहले भाषण में इमरजेंसी का जिक्र किया

▸ राहुल बोले- आशा है, विपक्ष की आवाज नहीं दबेगी

बिरला ने पहले भाषण में आपातकाल को काला धब्बा बताया

बिरला ने पहले भाषण में आपातकाल को काला धब्बा बताया। 2 मिनट का मौन रखवाया। सत्ता पक्ष ने मौन रखा, लेकिन विपक्ष ने हंगामा किया और कहा- स्पीकर भाजपा का एजेंडा चला रहे हैं। सत्र 27 जून को राष्ट्रपति के अभिभाषण तक स्थगित कर दिया गया।

28 साल बाद डकैत गिरफ्तार

मुंबई में 1996 में दिया था लूट को अंजाम

दोपहर संवाददाता । ठाणे

महाराष्ट्र के मुंबई में साल 1996 में जिस आरोपी ने डकैती के मामले को अंजाम दिया था, उसे 28 साल बाद गिरफ्तार किया गया है। समाचार एजेंसी पीटीआई के मुताबिक, लूट के कई मामलों में फरार चल रहे आरोपी को ठाणे से गिरफ्तार किया गया है। बताया जा रहा है कि इस मामले में पहले ही दो आरोपी को गिरफ्तार किया गया था। लेकिन मुख्य आरोपी रमेश ईश्वरलाल सोलंकी फरार चल रहा था। जिसे

सोमवार को गिरफ्तार कर लिया गया है। सहायक पुलिस उपायुक्त (क्राइम) मदन बल्लाल ने बताया कि आरोपी रमेश ईश्वरलाल सोलंकी को सोमवार को दहिसर चेक नाका स्थित पेणकर पाड़ा से गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि साल 1996 में मीरा भायंदर क्षेत्र के सार्वजनिक स्थानों और बस स्टैंड पर लोगों के बैग और जेब काटकर लूटपाट करने के संबंध में कुछ लोगों ने कई शिकायतें की थी। उन्होंने बताया कि काशीमीरा पुलिस थाने में मामला दर्ज कर दो लोगों को पूर्व में गिरफ्तार किया गया था, लेकिन मुख्य आरोपी सोलंकी लगातार फरार चल रहा था।

मुंबई और गुजरात में कई मामले दर्ज

पुलिस ने बताया कि जांच के दौरान पुलिस ने खुफिया सुचनाओं के आधार पर काम किया। पुलिस को सुचना मिली थी कि आरोपी मुंबई को मालवनी इलाके के मलाड में रह रहा है। पुलिस को यह भी खबर मिली थी कि आरोपी दहिसर नाके से गुजरने वाला है। सुचना के आधार पर पुलिस ने अपना जाल बिछाया और सोमवार को मौके पर पहुंचते ही उसे पकड़ लिया। पुलिस ने बताया कि पूछताछ के दौरान पता चला कि उसके खिलाफ मुंबई और गुजरात में भी कई मामले दर्ज हैं।

अवैध रेत खनन के अड्डों पर कार्रवाई

24 लाख की सामग्री जब्त

दोपहर संवाददाता । भिवंडी

अवैध रेत उत्खनन के खिलाफ जिला प्रशासन के भिवंडी उपविभागीय कार्यालय के अंतर्गत अधिकारियों और कर्मचारियों ने आज काल्हेर कोन में खाड़ी में कार्रवाई की और 1 बजरा, 1 सैक्शन पंप को जब्त कर लिया और इसे नष्ट कर दिया। इस कार्रवाई में संबंधित माल की अनुमानित कीमत 24. लाख आंकी है, इस संबंध में मामला दर्ज करने की कार्रवाई की जा रही है।

खड़ीपात्रा में संयुक्त कार्रवाई

ठाणे जिला संपर्क कार्यालय द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार ठाणे कलेक्टर अशोक शिंगारे के आदेशानुसार तथा अपर कलेक्टर मनीषा जायभाये-धुले एवं उपविभागीय अधिकारी भिवंडी के निर्देशानुसार 26.6.2024 को सुबह 9 बजे खरबाव मंडल अधिकारी एवं भिवंडी मंडल अधिकारी एवं उनके अधीनस्थ पटवारी के माध्यम से काल्हेर से कोन तक खड़ीपात्रा में संयुक्त कार्रवाई की गई, इस कार्रवाई में 1 बजरा, 1 सक्शन मिली है। बताया जाता है कि जिला प्रशासन की टीम को देखते ही बजरे पर मौजूद मजदूर पानी में कूदकर भाग गए। चूँकि भागने से पहले बजरे की दीवार हटा दी गई थी और उसे नाव की सहायता से खींचना संभव नहीं था, इसलिए वह वहीं डूब गया। तहसीलदार अभिजीत खोले ने बताया कि 1 सक्शन पंप को नाव की सहायता से काल्हेर बंदरगाह पर लाया गया है। इसके बाद खाड़ी तट से निकालकर गैस कटर की सहायता से काटकर नष्ट कर दिया गया है ताकि इसका दोबारा उपयोग न किया जा सके।

एमवीए को सत्ता हासिल करने पर ध्यान देना चाहिए : जयंत पाटिल

छत्रपति संभाजीनगर। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) की राज्य इकाई के अध्यक्ष जयंत पाटिल ने बुधवार को कहा कि महाविकास अघाडी (एमवीए) के घटक दलों को महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों से पहले मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार के नाम का ऐलान करने के बजाये राज्य की सत्ता में लौटने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि एमवीए के किसी भी सहयोगी दल को (एकतरफा) यह घोषणा नहीं करनी चाहिए कि वह कितनी सीट पर चुनाव लड़ रहा है क्योंकि आगामी चुनावों में जीतने की क्षमता ही एकमात्र मानदंड होगी। एमवीए में राकांपा-शरदचंद्र पवार, शिवसेना-उद्धव बालासाहेब ठाकरे (शिवसेना-यूबीटी) और कांग्रेस शामिल हैं। एमवीए नवंबर

2019 में राज्य की सत्ता में था हालांकि एकनाथ शिंदे की अगुवाई में बगावत के बाद शिवसेना विभाजित हो गयी और जून 2022 में सरकार गिर गयी। एमवीए के तीन सहयोगियों में से राकांपा-शरदचंद्र पवार ने लोकसभा चुनाव में 10 सीट पर चुनाव लड़ा था, जिसमें से आठ पर पार्टी ने जीत हासिल की थी। पाटिल पार्टी से संबंधित कार्यक्रमों और बैठकों में भाग लेने के लिए शहर में मौजूद थे।

भाजपा विधायक चौगुले ने की बिजली बिल कम करने की मांग

दोपहर संवाददाता । भिवंडी

भिवंडी पश्चिम से भाजपा विधायक महेश चौगुले ने राज्य के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को लिखित पत्र भेज कर महा वितरण कंपनी द्वारा बिजली दर वृद्धि करने के प्रस्ताव को रद्द कर बिजली बिल दरों को सस्ता किए जाने की मांग की है। उन्होंने बताया है कि सभी प्रकार के ग्राहकों पर बिजली बिल की कीमतें बहुत भारी पड़ रही है इसलिए जो वृद्धि पहले भी की गई है उसे भी रद्द कर बिजली बिल की कीमतें वापस कम किया जाना चाहिए।संगठनों की मांगों पर सकारात्मक विचार कर आवश्यक निर्णय लिया जाना चाहिए और राहत दी जानी चाहिए ताकि दर वृद्धि का बोझ आम घरेलू बिजली उपभोक्ताओं और छोटे उद्यमियों पर न पड़े।

बिजली दर वृद्धि प्रस्ताव को रद्द किया जाय : महेश चौगुले

भाजपा नेता व महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को भेज लिखित पत्र में भिवंडी पश्चिम से भाजपा विधायक महेश चौगुले ने बताया है कि प्रदेश में बिजली बढ़ोतरी की समस्या हर किसी को परेशान कर रही है। महाराष्ट्र राज्य विद्युत महावितरण कंपनी हर वर्ष महाराष्ट्र विद्युत नियामक आयोग भारी टैरिफ बढ़ोतरी की मांग कर रहा है। इस साल भी टैरिफ बढ़ोतरी की गई है। पिछले साल इस संबंध में एक याचिका दायर की गई थी, जिसमें अगले दो वर्षों में 67,644 करोड़ रुपये के मुआवजे की मांग की गई है। यह मांग दो वर्षों में औसतन 37% की वृद्धि है। स्थिर मांग आकार, ट्रांसमिशन आकार और बिजली आकार के सभी तीन आयामों में मांग में वृद्धि हुई है और कुल परिणामी वृद्धि औसतन 2.55 रुपये प्रति यूनिट है। मूल्य वृद्धि के अनुपात में बिजली शुल्क घरेलू के लिए 16%, वाणिज्यिक के लिए 29% और औद्योगिक के लिए 7.5% होगा। इतने बड़े मांग आयोग की स्थापना के बाद से इतनी बड़ी मूल्य वृद्धि की मांग महावितरण की ओर से की गई है।

करघों का भी शहर है भिवंडी

ठाणे जिले का भिवंडी मजदूरों का शहर होने के साथ-साथ करघों का भी शहर है। 2007 से भिवंडी में टोरेंट पावर लिमिटेड, कॉम। द्वारा पूर्ण विद्युत आपूर्ति की जा रही है भिवंडी के नागरिकों द्वारा अब तक 99% बिजली बिल का भुगतान किया जा चुका है। उक्त महाराष्ट्र विद्युत नियामक आयोग द्वारा 37% दर वृद्धि की स्थिति में इस नुकसान का बोझ भिवंडी शहर के नागरिकों पर पड़ेगा तो यह अनुचित होगा। कई सामाजिक संगठन इस मांग को लेकर काम कर रहे हैं कि महावितरण कंपनी द्वारा दिए गए मूल्य वृद्धि के प्रस्ताव को पूरी तरह से रद्द किया जाना चाहिए और राज्य में वर्तमान बिजली दरों को देश के अन्य राज्यों की तुलना में प्रतिस्पर्धी और समान स्तर पर लाया जाना चाहिए। इसके साथ ही विद्युत उपभोक्ता एवं औद्योगिक संगठन राज्य स्तरीय समन्वय समिति (ईसीआईओसीसी) के महाधिवक्ता द्वारा दायर बिजली दर वृद्धि प्रस्ताव को रद्द करने और बिजली दर कम करने को लेकर कई सामाजिक संगठन, सामाजिक कार्यकर्ता, जन प्रतिनिधि पहले भी इसका विरोध कर चुके हैं। राज्य में अन्य राज्यों की तुलना में प्रतिस्पर्धी स्तर पर होना चाहिए।

भारी बारिश के बाद गिरी बिजली

एक दंपत्ति घायल, 5 मवेशियों की मौत

दोपहर संवाददाता । ठाणे

महाराष्ट्र के ठाणे जिले में भारी बारिश के बाद एक गांव में बिजली गिरने से एक दंपत्ति घायल हो गए। जबकि 5 मवेशियों की मौत होने की खबर सामने आई है। बताया जा रहा है कि यह घटना मंगलवार शाम करीब 7:30 बजे शहापुर इलाके के कडाचीवाड़ी में हुई। शाहपुर तालुका के डिजास्टर मैनेजमेंट सेल के प्रमुख वसंत चौधरी ने कहा कि घर में मौजूद 60 वर्षीय व्यक्ति और उनकी 45 वर्षीय पत्नी बिजली गिरने से घायल हो गए। उन्होंने बताया कि डोलखंब स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में उनका इलाज कराया गया और बाद में उन्हें छुट्टी दे दी गई।

भिवंडी में मतदान के लिए पदवीधर मतदाताओं की उत्साहपूर्ण प्रतिक्रिया

दोपहर संवाददाता । भिवंडी

कोंकण पदवीधर निर्वाचन क्षेत्र के चुनाव के लिए बुधवार को मतदान हुआ, भिवंडी शहर में मतदान के लिए पदवीधर मतदाताओं की शांतिपूर्ण और उत्साहजनक प्रतिक्रिया देखी गई, भिवंडी पूर्व और भिवंडी पश्चिम विधानसभा क्षेत्रों के मतदाताओं के लिए दादासाहेब दांडेकर विद्यालय में पांच और भिवंडी ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के लिए चाचा नेहरू हिंदी विद्यालय में पांच इस तरह कुल दस मतदान केंद्र बनाये गये थे।

कुल 8327 मतदाताओं ने दिया वोट

भिवंडी पूर्व में 1641, भिवंडी पश्चिम में 2502 और भिवंडी ग्रामीण में 4184, कुल 8327 मतदाता वोट देने के अपनी अधिकार का उपयोग किया। सुबह से ही मतदाता वोट डालने के लिए मतदान केंद्रों पर उमड़ पड़े जिस कारण कुछ मतदान केंद्रों पर कतारें लग गईं। सभी मतदान केंद्रों पर तहसीलदार अभिजीत खोले, समूह विकास अधिकारी डॉ. प्रदीप घोरपड़े और स्थानीय पुलिस ने उचित व्यवस्था की थी। साथ ही मतदान करने आये मतदाताओं के लिए विशेष मतदान सहायता कक्ष बनाया गया था, जहां मतदाताओं को मतदान की विधि समझायी गई।

पालघर में जल निकायों पर निषेधाज्ञा लागू

दोपहर संवाददाता । पालघर

मौसम विभाग ने आने वाले कुछ दिनों में महाराष्ट्र के कई हिस्सों में भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना जताई है। इसे देखते हुये पालघर जिले के वसई क्षेत्र में मानसून के दौरान पर्यटकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पुलिस ने समुद्र तट, झरनों, बांधों, नदियों तथा झीलों जैसे विभिन्न पिकनिक स्थलों पर निषेधाज्ञा लागू की है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी देते हुये बताया कि बारिश के मौसम में महाराष्ट्र के पालघर और पड़ोसी जिलों ठाणे, रायगढ़ और मुंबई में समुद्र तट, झरनों, बांधों, नदियों तथा झीलों पर बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ उमड़ती है।

जारी हुआ आदेश

वसई जोन-2 की पुलिस उपायुक्त पूर्णिमा चौगुले-श्रृंगी द्वारा मंगलवार को जारी आदेशानुसार, 25 जून से आठ जुलाई तक विभिन्न जलाशयों पर दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 144 लागू रहेगी। आदेश में कहा गया है कि मौजूदा मानसून की स्थिति के कारण वित्तीय नुकसान रोकने तथा पर्यटकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए ये उपाय आवश्यक हैं। निषेधाज्ञा लागू होने से समुद्र तट, झरनों, बांधों, नदियों तथा झीलों जैसे विभिन्न पिकनिक स्थलों पर पांच या उससे अधिक लोगों के एकत्र होने पर रोक रहेगी। आदेश में कहा गया है कि जल निकायों के समीप जाने, सेल्फी लेने या रील बनाने और खतरनाक स्थानों पर वाहन खड़े करने जैसी गतिविधियों पर भी प्रतिबंध रहेगा।

माउजर पिस्तौल व चार जिंदा कारतूस के साथ युवक गिरफ्तार

दोपहर संवाददाता । भिवंडी

भिवंडी क्राइम ब्रांच पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार कर उसके पास से 5 लाख 54 हजार रूपये कीमत का एक माउजर पिस्तौल व चार जिंदा कारतूस सहित एक इको कार बरामद किया है। पुलिस के अनुसार शहर में अवैध हथियार का उपयोग के अपराध मामले में वृद्धि हुई है। जिसके लिए एक विशेष बैठक की गई जिसमें थाने शहर पुलिस आयुक्त आशुतोष डुंबरे ने सभी अधिकारियों को अवैध हथियार की बिक्री करने वालों पर कड़ी कार्रवाई करने का निर्देश दिया है।

भिवंडी क्राइम ब्रांच के वरिष्ट पुलिस निरीक्षक योगेश आव्हाड के मार्गदर्शन में जांच कर रहे एपीआई धनराज केदार ने गुप्त सूचना के

आधार पर विष्णु पाटील की चाल, गणेश मंदिर के पास साबरेगांव दिवा, थाने निवासी सिद्दिक अहमद मतिउर्रहमान शेख 24 वर्ष को गिरफ्तार कर लिया। जिसके पास से पुलिस ने एक माउजर व चार जिंदा कारतूस बरामद किया है। जो अवैध रूप से हथियार की बिक्री करने की फिराक में था। उक्त आरोपी के खिलाफ नारपोली पुलिस स्टेशन में गुनाह रजिस्टर नंबर 1270/2024 में भारतीय हथियार कायदा कलम 3, 25 व उक्त अधिनियम की कलम 37 (1), 135 के तहत मामला दर्ज किया गया है। उसके बाद जब उक्त आरोपी से कड़ी पूछताछ की गई तो उसने अपने एक साथी बाबू खान उर्फ बंगाली के साथ मिल कर एक इको कार चोरी की बात कबूल की जिसे पुलिस ने जप्त कर लिया है।

ड्रग इंस्पेक्टर ने ली 1 लाख की रिश्वत, सहायक गिरफ्तार

दोपहर संवाददाता । पालघर

पालघर जिले में एंटी करप्शन ब्यूरो ने पालघर में ड्रग इंस्पेक्टर श्रीमती आरती शिरीष कांबली द्वारा शिकायतकर्ता से एक लाख रुपए की रिश्वत लेने पर उनके सहायक और मोरेगांव नालासोपारा में स्थित दुर्गा मेडिकल स्टोर के मालिक 52,वर्षीय कृष्ण कुमार आशाराम तिवारी को एक लाख रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।

क्या है मामला ?

ठाणे एंटी करप्शन ब्यूरो द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार आरोपी ड्रग इंस्पेक्टर आरती शिरीष कांबली ने शिकायतकर्ता के मेडिकल स्टोर पर गत 14 जून 2024 को छापा डाला था।इसके बाद औषधि तथा सौंदर्य प्रसाधन नियम 1940के तहत नियम का उलंघन करने पर अगले आदेश तक मेडिकल स्टोर बंद करने का नोटिस दिया था।इसके बाद शिकायतकर्ता का मेडिकल स्टोर बंद करा दिया गया था। शिकायतकर्ता का बंद मेडिकल स्टोर पुनः शुरू कराने के लिए ड्रग इंस्पेक्टर श्रीमती आरती शिरीष कांबली ने एक लाख रुपए की मांग की थी। शिकायतकर्ता ने 21, जून को पालघर के एंटी करप्शन ब्यूरो को इसकी जानकारी दी थी। ब्यूरो ने 24 जून 2024 को इस मामले में जांच पड़ताल भी की थी ।इसके बाद 24जून 2024को ड्रग इंस्पेक्टर श्रीमती आरती शिरीष कांबली ने पुनः शिकायतकर्ता से उनका बंद मेडिकल स्टोर शुरू कराने के लिए एक लाख रुपए मांगे और यह राशि नालासोपारा में स्थित दुर्गा मेडिकल स्टोर के मालिक को सौंपने के लिए दबाव डाला था। इसके बाद शिकायतकर्ता जब 24 जून 2024को ड्रग इंस्पेक्टर श्रीमती आरती शिरीष कांबली के निर्देश पर मेडिकल स्टोर के मालिक कृष्ण कुमार तिवारी को एक लाख रुपए दे रहे थे पालघर एंटी करप्शन ब्यूरो द्वारा तिवारी गिरफ्तार कर लिए गए।

नाबालिग से दुराचार करने के आरोप में एक व्यक्ति के खिलाफ मुकदमा दर्ज

दोपहर संवाददाता । ठाणे

महाराष्ट्र के ठाणे जिले में एक मदरसे में 11 वर्षीय लड़के के साथ कथित तौर पर कुकर्म करने के आरोप में एक व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने बुधवार को बताया कि यह घटना भिवंडी इलाके में मंगलवार तड़के हुई। आरोपी और पीड़ित दोनों मदरसे में पढ़ते हैं। शांति नगर थाने के वरिष्ठ निरीक्षक विनायक गायकवाड़ ने बताया कि अपराध करने के बाद 22 वर्षीय आरोपी बिहार स्थित अपने गृहनगर चला गया। अधिकारी ने बताया कि पीड़ित मंगलवार सुबह अपने घर गया और घटना की जानकारी अपने मां को दी। उन्होंने बाद में पुलिस में शिकायत दर्ज करायी। अधिकारियों ने बताया कि पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 377 (अप्राकृतिक अपराध) और बाल यौन अपराध संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के प्रावधानों के तहत प्राथमिकी दर्ज की है। मामले की जांच की जा रही है।

घनकचरा विभाग ने सिंगल यूज प्लास्टिक को लेकर की बड़ी कार्रवाई

1 क्विंटल से अधिक प्लास्टिक की हुई जब्ती

दोपहर संवाददाता । ठाणे

मनपा घनकचरा विभाग ने सिंगल यूज प्लास्टिक पर बैन लगाया है इसके बावजूद भी शहर में धड़ल्ले से दुकानदार यूज कर रहे हैं। मनपा के इस मुहिम में 102 किलों सिंगल यूज प्लास्टिक को जब्त कर 38 हजार 450 रुपये का दंड वसूल किया। यह कार्रवाई घनकचरा उपायुक्त तुषार पवार के मार्गदर्शन में किया गया।

मनपा के कई प्रभाग समिति में हुई छापेमारी

कलवा प्रभाग समिती में 9 किलो प्लॅस्टिक जब्त कर 9 हजार का दंड, मुंब्रा प्रभाग समिती में 14 किलो प्लॅस्टिक जब्त कर 1 हजार 500 रुपये दंड, दिवा प्रभाग समिती में 10 किलो प्लॅस्टिक जब्त कर 3 हजार 500 रु दंड, उथलसर प्रभाग समिती में 9 किलो प्लॅस्टिक जब्त कर 1 हजार दंड, नौपाडा कोपरी प्रभाग समिती में 14 किलो प्लॅस्टिक जब्त कर 7 हजार दंड, वर्तकनगर प्रभाग समिती में 10 किलो प्लॅस्टिक जब्त कर 1 हजार दंड, लोकमान्य सावरकर प्रभागसमिती में 9 किलो प्लॅस्टिक जब्त कर 5 हजार 700 दंड, वागले प्रभाग समिती में 13 किलो प्लॅस्टिक जब्त कर 7 हजार 250 दंड, माजिवाडा मानपाडा प्रभाग समिती में 14 किलो प्लॅस्टिक जब्त कर 2 हजार 500 दंड वसूल किया गया। मनपा के 9 प्रभाग समिति में कुल 38 हजार 450 रुपये की वसूली की गई।

रेड लाइट एरिया में एक युवक पर चाकू से हमला

दोपहर संवाददाता । भिवंडी

आधी रात के करीब भिवंडी शहर के हनुमान टेकड़ी के रेड लाइट एरिया में गए एक युवक पर चाकू से हमला करने की घटना सामने आई है।

कामताघर इलाके में रहने वाले करघा मजदूर विजय विट्ठल शिंदे अपने दोस्तों राहुल प्रदीप भोंडवे और आकाश हनुमंत सकटे के साथ एक पार्टी के बाद रात दो बजे हनुमान टेकड़ी की गली में घूम रहे थे। तभी एक व्यक्ति से महिला के बारे में पूछा तो उसने कहा कि वह किराया वसूलने आया है, इस पर विजय शिंदे से उस युवक ने गाली-गलौज की। इससे गुस्साए अज्ञात व्यक्ति ने अपने तीन साथियों को बुलाया और उनकी पिटाई की और उनमें से एक ने विजय शिंदे पर धारदार हथियार से वार कर वहां से भाग निकले। इस मामले में सरकारी अस्पताल में इलाज के बाद भिवंडी शहर पुलिस स्टेशन में घायल विजय शिंदे की शिकायत के आधार पर चार लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

होटल से देह व्यापर में लिप्त 3 विदेशी युवतियां रिहा

दोपहर संवाददाता । ठाणे

ठाणे पुलिस आयुक्त की क्राइम ब्रांच ने ठाणे शहर के एक प्रसिद्ध विट्स शरणम होटल से देह व्यापार में लिप्त तीन विदेशी थाईलैंड की युवतियों को 21 जून 2024 को मुक्त कराया है।

क्राइम ब्रांच के उपायुक्त ने दी जानकारी

ठाणे पुलिस के क्राइम ब्रांच के उपायुक्त शिवराज पाटील ने आज यह जानकारी देते हुए बताया कि ठाणे पुलिस की क्राइम ब्रांच की मानव तस्करी प्रतिबंधक शाखा के पुलिस निरीक्षक चेतन चौधरी को एक सामाजिक कार्यकर्त्ता बिनु वर्गीस से ज्ञात हुआ था कि ठाणे शहर के प्रसिद्ध विट्स

1 थाईलैंड की महिला दलाल गिरफ्तार

शरणम होटल में देह व्यापार के लिए विदेशी युवतियां लाई गई हैं । ठाणे पुलिस आयुक्तालय की क्राइम ब्रांच ने 21 जून 2024 को शाम सवा चार बजे के दरम्यान होटल में छापा मारकर थाईलैंड से लाई गई युवतियों को रिहा कराया गया है । ठाणे पुलिस की क्राइम ब्रांच ने थाईलैंड थाईलैंड की महिला दलाल 44 वर्षीय मिस सलिका यूडोम वबंगलाब निवासी जि बावा सकोना नाकोना प्रोव्हिस थाइलैंड को गिरफ्तार किया है । थाईलैंड की देह व्यापार से जुडी महिला दलाल

सालिका यूडोम वबनगलब के विरुद्ध ठाणे शहर के वागले इस्टेट पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है । पुलिस ने इस दलाल महिला के साथ थाईलैंड की ही 36 वर्षीय मिस पियादा बुना किम्पा को भी गिरफ्तार किया है । बताया जाता है कि क्राइम पुलिस ने उक्त देह व्यापार कराने वाली महिला दलाल को फर्जी आधार कार्ड तथा पेन कार्ड उपलब्ध कराने वाले यमन देश का पासपोर्ट धारक बागड़ी अब्दुल्लाह को भी 25 जून को पुणे से गिरफ्तार किया है । यह गिरफ्तार आरोपी जो कि भारत देश का नागरिक नहीं है इसकी यमन देश का पासपोर्ट तथा वीसा की अवधि समाप्त हो गई थी । इसके बाद बागड़ी अब्दुल्लाह ने भारत देश का नकली आधार कार्ड तथा पेन कार्ड भी बनवाया था । ठाणे पुलिस की क्राइम ब्रांच अब यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि विदेशी दलालों को किस गिरोह ने नकली आधार कार्ड तथा पेन कार्ड उपलब्ध कराये थे ।

दो बजे दोपहर

मुंबई, नवी मुंबई, ठाणे, पालघर, रायगढ़, नासिक, पुणे से एक साथ प्रकाशित

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

विधानपरिषद चुनाव को लेकर राज ठाकरे ने कोई आदेश नहीं दिया: मनसे नेता

दोपहर संवाददाता । मुंबई

मुंबई। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के नेता संदीप देशपांडे ने बुधवार को कहा कि पार्टी अध्यक्ष राज ठाकरे की ओर से उन्हें महाराष्ट्र विधानपरिषद की चार सीट पर बुधवार सुबह सात बजे से जारी मतदान में किसी विशेष पार्टी के उम्मीदवार को वोट देने का कोई आदेश नहीं मिला है। मनसे ने हाल ही में संपन्न हुए लोकसभा चुनाव में राज्य में सत्तारूढ़ महायुति को समर्थन दिया था, जिसमें भाजपा, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना और उपमुख्यमंत्री अजित पवार के नेतृत्व वाली राकांपा शामिल है। महाराष्ट्र के मुंबई स्नातक, मुंबई शिक्षक, नासिक शिक्षक और कोंकण स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों में द्विवार्षिक चुनाव के लिए बुधवार मतदान हुआ।

अनमोल विचार | भविष्य की भविष्यवाणी करने का सबसेअच्छा तरीका इसे बनाना है :चार्ल्स स्टीवर्टपार्नेल

मुंबईकरों को मिल सकती है अंडरग्राउंड मेट्रो की सौगात

तीन चरणों में शुरू होगा अंडरग्राउंड मेट्रो का परिचालन

दोपहर संवाददाता । मुंबई

मुंबई। इसी साल अक्टूबर में होनेवाले महाराष्ट्र विधानसभा के चुनाव से पहले मुंबईकरों को अंडरग्राउंड मेट्रो में सफर का तोहफा मिल सकता है। मेट्रो-3 परियोजना के पहले चरण के तहत अंधेरी (पूर्व) के सीप्झ से बांद्रा-कुर्ला कांप्लेक्स (बीकेसी) के बीच मेट्रो सेवा शुरू करने की तैयारी की जा रही है। लगभग 9.6 किमी लंबे इस मार्ग का तकनीकी ट्रायल भारतीय रेल के रिसर्च डिजाइन एंड स्टैंडर्ड ऑर्गनाइजेशन (आरडीएसओ) ने पूरा कर लिया है। फिलहाल इलेक्ट्रिक, सिग्नलिंग और रोलिंग स्टॉक के परीक्षण जारी हैं। इसके बाद मेट्रो रेल सुरक्षा आयुक्त (सीएमआरएस) यात्रियों की सुरक्षा से जुड़े सभी पहलुओं पर मेट्रो-3 की सुविधाओं को परखेंगे। सब कुछ ठीक रहा तो सीएमआरएस मेट्रो सेवा के संचालन की अनुमति देंगे। महा मुंबई मेट्रो रेल कारपोरेशन (एमएमआरसीएल) अधिकारियों को उम्मीद है कि अगस्त तक सभी परीक्षण पूरे हो जाएंगे।

अलग-अलग ट्रायल शुरू

मेट्रो-3 देश की सबसे लंबी अंडरग्राउंड मेट्रो परियोजना है। बीते कई महीने से इस मार्ग पर अलग-अलग ट्रायल किए जा रहे हैं। इस दौरान विभिन्न तकनीकी पहलुओं की जांच की जा रही है। राज्य सरकार चाहती है कि विधानसभा चुनाव से पहले सीप्झ-बीकेसी के बीच मेट्रो सेवा शुरू हो जाए। एमएमआरसीएल के अधिकारी-कर्मचारी इसके लिए अथक मेहनत कर रहे हैं।

पहले चरण के लिए 9 मेट्रो रैक

पहले चरण की मेट्रो सेवा के लिए कुल 9 मेट्रो रैक होंगी। इनमें से एक रैक इमरजेंसी के लिए रखी जाएगी। 2 रैक मेंटेनेंस में रहेंगी। बाकी 6 रैक से रोजाना अप-डाउन मिला कर 260 सेवाएं संचालित होंगी। यात्रियों को हर 6.40 मिनट पर मेट्रो ट्रेन मिलेगी।

पहला चरण:
सीप्झ से बीकेसी स्टेशन : 10

दूसरा चरण:
बीकेसी से वर्ली स्टेशन : 6

तीसरा चरण:
साइंस म्यूजियम से कफ परेड स्टेशन : 11

कुल लंबाई 33.5 किमी

मेट्रो-3 का नेटवर्क सीप्झ से लेकर कोलाबा तक फैला होगा। इस मार्ग की कुल लंबाई 33.5 किमी होगी। फिलहाल सीप्झ से दक्षिण मुंबई के कफ परेड पहुंचने में कम से कम दो घंटे लगते हैं। मेट्रो-3 का पूरा कॉरिडोर तैयार होने पर यह दूरी 50 मिनट में तय होगी। उम्मीद है कि इस मार्ग से रोजाना 17 लाख लोग सफर करेंगे।

पश्चिम रेलवे के 7 कर्मचारियों को मिला संरक्षा पुरस्कार

दोपहर संवाददाता । मुंबई

पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक अशोक कुमार मिश्र ने पश्चिम रेलवे के सात कर्मचारियों को सुरक्षित ट्रेन परिचालन में उत्कृष्ट कार्य निष्पादन के लिए प्रधान कार्यालय, चर्चगेट में संरक्षा पुरस्कार से सम्मानित किया। इन कर्मचारियों को अप्रैल तथा मई, 2024 के दौरान ड्यूटी में उनकी सतर्कता तथा अप्रिय घटनाओं को रोकने में उनके योगदान और परिणामस्वरूप सुरक्षित ट्रेन परिचालन सुनिश्चित करने के लिए सम्मानित किया गया। इन 7 कर्मचारियों में से 2 मुंबई सेंट्रल मंडल से, 2 वडोदरा मंडल से जबकि अहमदाबाद, रतलाम और भावनगर मंडलों से प्रत्येक मंडल से एक कर्मचारी शामिल हैं।

सभी कर्मचारियों के लिए अनुकरणीय आदर्श: महाप्रबंधक मिश्र

महाप्रबंधक मिश्र ने सम्मानित किए गए कर्मचारियों की सतर्कता की प्रशंसा करते हुए कहा कि वे सभी कर्मचारियों के लिए अनुकरणीय आदर्श हैं। सम्मानित किए गए कर्मचारियों ने संरक्षा के विभिन्न क्षेत्रों जैसे रेल एवं ट्रैक फ्रैक्चर का पता लगाना, अप्रिय घटनाओं को रोकने के लिए आपातकालीन ब्रेक लगाना, कोचों में पाए जाने वाले धुएं को बुझाना, ब्रेक बाइंडिंग, लटकती वस्तुओं का पता लगाना आदि जैसे संरक्षा से संबंधित कार्यों को करते हुए ट्रेनों का सुरक्षित परिचालन सुनिश्चित करने में उत्साह और प्रतिबद्धता दिखाई। पश्चिम रेलवे को इन सभी पुरस्कृत कर्मचारियों पर गर्व है जिन्होंने अपनी त्वरित कार्रवाई और सतर्कता से किसी भी अप्रिय घटना की संभावना को रोकने में मदद की।

सरकार से सवाल पूछने वाली फिल्में बनाना अब जोखिम भरा : कमल हासन

दोपहर संवाददाता । मुंबई

मुंबई. अभिनेता कमल हासन ने कहा कि कलाकार देश के नागरिक हैं और उन्हें अधिकारियों को जवाबदेह ठहराने का पूरा अधिकार है। इसी के साथ उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि सरकार से सवाल पूछने वाली फिल्में बनाना 'जोखिम' भरा है। उन्होंने अपनी आगामी फिल्म 'हिंदुस्तानी 2: जीरो टॉलरेंस' के ट्रेलर लॉन्च के अवसर पर यह बात कही। इस फिल्म में वह एक ऐसे सेनापति की भूमिका में नजर आएंगे, जिन्होंने भारत को अंग्रेजों से आजादी दिलाई और फिर बाद में भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई लड़ी।

महिला पर है नशे की हालत में मर्सिडीज कार चलाने का आरोप, हादसे में गई थी दो लोगों की जान

शराब पीकर मर्सिडीज चलाने वाली महिला की याचिका ख़ारिज

दोपहर संवाददाता । मुंबई

मुंबई। बॉम्बे हाई कोर्ट की नागपुर पीठ ने बुधवार को शराब पीकर मर्सिडीज कार चलाने वाली एक महिला को अग्रिम याचिका देने से इनकार कर दिया। पीठ ने इस दौरान कहा कि कोई भी समझदार व्यक्ति शराब पीकर गाड़ी नहीं चलाता है।

शराब पीकर वाहन चलाने को नहीं दी जा सकती अनुमति : कोर्ट

न्यायमूर्ति उर्मिला जोशी फाल्के की एकल पीठ ने शराब पीकर गाड़ी चलाने को बुरा व्यवहार बताते हुए कहा कि शराब पीकर किसी को भी वाहन चलाने की अनुमति नहीं दी जा सकती है। मालूम हो कि महिला पर आरोप है कि उसने फरवरी में नशे की हालत में मर्सिडीज कार चलाई और नागपुर के राम झूला पुल पर एक बाइक को टक्कर मार दी, जिससे दोपहिया वाहन पर सवार दो लोगों की मौत हो गई थी।

कोर्ट ने खारिज की याचिका

अदालत ने आरोपी रितु मालू कीयाचिका खारिज करते हुए कहा कि महिला उच्च शिक्षा हासिल की है और सम्मानित परिवार से ताल्लुक रखती है। इससे पहले मालू पर तेज और लापरवाही से गाड़ी चलाने का मामला दर्ज किया गया था। हालांकि, आरोपी महिला को पहले जमानत दे दी गई थी। हालांकि, बाद में पुलिस ने उसे फिर से गिरफ्तार करने की मांग की, जिसके बाद उसने अग्रिम जमानत के लिए हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था।

सेवानिवृत्त हुए पांच सदस्यों को आज दी जाएगी विदाई

सेंट्रल हॉल में समारोह के दौरान दी जाएगी विदाई

दोपहर संवाददाता । मुंबई

मुंबई। महाराष्ट्र विधान परिषद के सेवानिवृत्त हुए पांच सदस्यों को गुरुवार को विदाई दी जाएगी। विधान परिषद के पांच सदस्य 21 जून को सेवानिवृत्त हो गए हैं। इन पांचों सदस्यों के लिए महाराष्ट्र विधान भवन के सेंट्रल हॉल में दोपहर 3 बजे विदाई समारोह आयोजित होगा। भाजपा के सुरेश धस, प्रवीण पोटे- पाटील और रामदास आंबटकर, शिवसेना (उद्धव) के नरेंद्र दराडे, शिवसेना (शिंदे) के विप्लव बाजोरिया का कार्यकाल 21 जून को खत्म हो गया है।

विधान परिषद के पांच सदस्य 21 जून को हो गए सेवानिवृत्त

विधान परिषद के सेवानिवृत्त हुए पांचों सदस्य स्थानीय प्राधिकारी कोटे से निर्वाचित हुए थे। राज्य में अधिकांश स्थानीय निकायों का कार्यकाल खत्म हो गया है। लेकिन सुप्रीम कोर्ट में ओबीसी आरक्षण का मुद्दा प्रलंबित होने के कारण स्थानीय निकायों का चुनाव नहीं हो पाए हैं। इससे विधान परिषद की स्थानीय प्राधिकारी कोटे के इन पांच सीटों पर जल्द चुनाव होने के आसार नजर नहीं आ रहे हैं। विधानमंडल के समारोह में विधानसभा के अध्यक्ष राहुल नार्वेकर, विधान परिषद की उपसभापति नीलम गोर्हे, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, विधानसभा के उपाध्यक्ष नरहरी जिरवाल, उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री अजित पवार, विधान परिषद के विपक्ष के नेता अंबादास दानवे, विधानसभा के विपक्ष के नेता विजय वडेट्टीवार, संसदीय कार्य मंत्री चंद्रकांत पाटील की मौजूदगी रहेगी। इस मौके पर दोनों सदनों के सदस्य भी उपस्थित रहेंगे।

पीएम मोदी के साथ राहुल गांधी के फ्रेम में आने पर राउत ने कसा तंज

दोपहर संवाददाता । मुंबई

मुंबईः उद्धव ठाकरे की अगुवाई वाली शिवसेना यूबीटी के राज्यसभा सदस्य संजय राउत ने बीजेपी पर निशाना साधा है। राउत ने लोकसभा के अध्यक्ष ओम बिरला, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और नेता विपक्ष राहुल गांधी की तस्वीर को सोशल मीडिया पर साझा करते हुए लिखा है कि 'हा हा हाहा...कौन राहुल? ये है राहुल! ये तो ट्रेलर है। आगे आगे देखो होता है क्या? 18वीं लोकसभा सत्र के तीसरे दिन ओम बिरला के दूसरी बार स्पीकर बनने पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ उन्हें लेकर ऊपर गए थे। इसके बाद राहुल गांधी ने उन्हें बधाई दी थी। राउत ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करने के साथ राहुल गांधी और बीजेपी को टैग को किया है। लोकसभा में राहुल गांधी विपक्षी गठबंधन की तरफ से एलओपी चुने गए हैं। लोकसभा अध्यक्ष के चुनाव में ओम बिरला के चुने जाने पर राहुल गांधी पीएम मोदी और केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजु के साथ ऊपर आसन तक गए थे। लोकसभा में स्पीकर का चुनाव होने के बाद संजय राउत ने कहा कि हमने विरोध नहीं किया, परंपरा है कि चुनाव नहीं होना चाहिए, हमने ये भी दिखाया कि हम आपके सामने खड़े रहेंगे और हैं। ओम बिरला ने एक झटके में 100 से ज्यादा सांसदों को निलंबित कर दिया था आपातकाल में ऐसा नहीं हुआ था। डिप्टी स्पीकर विपक्ष को मिलना चाहिए। बातचीत हो रही है। राउत ने इससे पहले कांग्रेस नेता राहुल गांधी के नेता विपक्ष का पद स्वीकार करने पर उनका आभार व्यक्त किया था। राउत ने लिखा थ कि धन्यवाद राहुलजी, आपने इस संवैधानिक पद को स्वीकार करके देश के लोकतंत्र की मजबूती के लिए और एक कदम आगे बढ़ाया। हम सब एक साथ लड़ेंगे और जीतेंगे। कांग्रेस पार्टी ने महाविकास आघाडी का हिस्सा रहते हुए ही राज्य विधानसभा चुनाव लड़ने का ऐलान किया है।

राणा दंपति ने फडणवीस से की मुलाकात

दोपहर संवाददाता । मुंबई

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा के निर्दलीय विधायक रवि राणा और उनकी पत्नी एवं पूर्व सांसद नवनीत राणा ने राज्य के उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से बुधवार को उनके आधिकारिक आवास में मुलाकात की। हाल में संपन्न आम चुनाव में नवनीत राणा ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के टिकट पर अमरावती लोकसभा सीट से चुनाव लड़ा था लेकिन उन्हें कांग्रेस प्रत्याशी बलवंत वानखेडे से हार का सामना करना पड़ा।

विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी के 'रणनीतिक रुख' पर चर्चा

नवनीत राणा ने कहा कि उन्होंने अक्टूबर में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी के 'रणनीतिक रुख' पर चर्चा की। उन्होंने कहा, ''मैं एक पार्टी कार्यकर्ता के रूप में अपनी निष्ठा को दृढ़तापूर्वक बनाए रखूंगी।''नवनीत 17वीं लोकसभा में महाराष्ट्र की अमरावती सीट से ही निर्दलीय निर्वाचित हुई थीं। खबरों के मुताबिक 2024 लोकसभा चुनाव में नवनीत को अमरावती सीट से उम्मीदवार बनाए जाने का भाजपा की स्थानीय इकाई ने विरोध किया था। रवि राणा महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ भाजपा- राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजित पवार गुट) और शिवसेना की 'महायुति' सरकार का समर्थन कर रहे हैं।

राहुल कमजोर वर्ग के लोगों की आवाज बनेंगे: आदित्य ठाकरे

दोपहर संवाददाता । मुंबई

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) के नेता आदित्य ठाकरे ने बुधवार को कहा कि कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के लोकसभा में विपक्ष का नेता बनने से संसद में समाज के कमजोर वर्ग के लोगों की आवाज बुलंद होगी। ठाकरे ने कहा कि 'इंडिया' गठबंधन विपक्ष के रूप में अपनी भूमिका पहले से निभा रहा है। उन्होंने विश्वास जताया कि यह जल्द ही केंद्र में सरकार बनाएगा।

राहुल गांधी को दी शुभकामनाएं

उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष के पद का उत्तरदायित्व संभालने के लिए राहुल गांधी जी को शुभकामनाएं। देश के लोगों ने तानाशाही और नफरत की विभाजनकारी राजनीति के खिलाफ वोट दिया है तथा (उनकी) यह भूमिका महत्वपूर्ण है क्योंकि राहुल जी उन लोगों की आवाज बनेंगे जिन्हें सुना नहीं जाता है।''

सीईटी के विद्यार्थी अब दोबारा देख सकेंगे अपनी उत्तर पुस्तिका

दोपहर संवाददाता । मुंबई

मुंबई। एमएचटी-सीईटी परीक्षा को लेकर चल रहे विवाद और आशंकाओं को खत्म करने के लिए सीईटी सेल फार्मेसी, इंजीनियरिंग और कृषि से जुड़े पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए ली गई प्रवेश परीक्षा की उत्तर पुस्तिका दोबारा विद्यार्थियों के लॉग इन पर उपलब्ध कराएगी। सीईटी सेल द्वारा उपलब्ध कराई गई जानकारी के मुताबिक पीसीएम समूह के विद्यार्थी 27 और 28 जून को जबकि पीसीएम समूह के विद्यार्थी 29 और 30 जून को अपनी उत्तर पुस्तिकाएं देख सकेंगे। इससे पहले पीसीबी समूह की परीक्षा की उत्तर पुस्तिकाएं 22 से 24 मई जबकि बीसीएम समूह की उत्तर पुस्तिकाएं 24 से 26 मई के बीच विद्यार्थियों के लॉग इन पर उपलब्ध कराई गईं थीं जिससे वे उत्तर को लेकर कोई आपत्ति हो तो उसे दर्ज करा सकें।

आपत्तियों का निराकरण

परीक्षार्थियों की आपत्तियों का निराकरण कर 7 जून को इसकी जानकारी दी गई। इसके बाद 16 जून को सीईटी सेल ने नतीजे घोषित किए जिसके बाद कई विद्यार्थियों और अभिभावकों ने पर्सेंटाइल को लेकर आपत्ति जताई। उनका दावा है कि उनको मिले अंकों के मुताबिक उन्हें दिया गया पर्सेंटाइल कम है। इसके अलावा बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने यह भी कहा कि वे उत्तर पुस्तिका नहीं देख पाए थे। विद्यार्थियों की आशंका को देखते हुए सीईटी सेल ने एक बार फिर विद्यार्थियों को उत्तर पुस्तिकाएं उपलब्ध कराने का फैसला किया है। विद्यार्थी और अभिभावक अपने प्रश्नपत्र, लिखे गए उत्तर और सही उत्तर देख सकेंगे।

मेलघाट के किसान ने मांगी इच्छामृत्यु की इजाजत वन विभाग पर लगाया प्रताड़ित करने का आरोप

दोपहर संवाददाता । मुंबई

मुंबई/अमरावतीः वन विभाग की प्रताड़ना से परेशान होकर एक किसान ने कलेक्टर से इच्छामृत्यु की इजाजत मांगी है। किसान ने वन विभाग पर गलत मामले में फंसाने का आरोप लगाया है। किसान ने कहा कि वन विभाग गांव वालों को भी मेरे और मेरे परिवार के खिलाफ भड़का रहा है। मेलघाट में एक किसान ने वन विभाग से परेशान होकर जिलाधीश से इच्छामृत्यु की इजाजत मांगी है। धारणी तहसील के तांगडा गांव के पंकज विजय मावस्कर ने इस संबंध में जिलाधीश को ज्ञापन सौंपा है। पंकज मावस्कर ने ज्ञापन में कहा कि 4 फरवरी से मुझे और मेरे परिवार को हरिसाल के वन विभाग व आरएफओ और डीएफओ द्वारा मानसिक प्रताड़ित किया जा रहा है।

गलत मामले फंसाने का लगाया आरोप

वन विभाग ने सर्वे नं. 32 पर अवैध निर्माण किया गया है। जब उनसे उक्त खेत में निर्माण के संबंध में पूछा गया तो वन विभाग ने नोटिस भेजा है कि उक्त जमीन सरकार की है और इसका प्रस्ताव सरकार को सौंपना है। पुलिस प्रशासन के माध्यम से मुझे और मेरे परिवार को गलत मामले में फंसाने की कोशिश की जा रही है। वन विभाग के कर्मचारी गांव के लोगों को मेरे खिलाफ भड़का रहे हैं और गांव की पंचायत लेने के लिए उकसा रहे हैं। इससे मेरी और मेरे परिवार की जान को खतरा है। इसकी शिकायत पुलिस अधीक्षक और मुख्य वन संरक्षक से भी की गई, लेकिन दोनों विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से हमें कोई न्याय नहीं मिला, बल्कि हरिसाल परिक्षेत्र प्रशासन की ओर से परेशान करना शुरु है।

'ओवैसी की जुबान काटकर लाने वाले को इनाम दूंगा'

नितेश राणे ने दिया विवादित बयान

दोपहर संवाददाता । मुंबई

मुंबई। लोकसभा में AIMIM अध्यक्ष और सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने शपथ लेने से बाद 'जय फिलिस्तीन' का नारा लगाया था। इसके बाद NDA के कई नेताओं ने इसपर ऐतराज जताया है। इस बीच बीजेपी नेता नारायण राणे ने भी एक विवादित बयान दे दिया है। ओवैसी के शपथ के दौरान 'जय फिलिस्तीन' बोलने पर नितेश राणे ने कहा, ₹अगर कोई ओवैसी की जुबान काटकर लाएगा तो मैं उसे इनाम दूंगा।

क्या बोले असदुद्दीन ओवैसी?

ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने मंगलवार को 18वीं लोकसभा में शपथ ग्रहण के अंत में 'जय फिलिस्तीन' का नारा लगाकर विवाद खड़ा कर दिया। हैदराबाद संसदीय क्षेत्र से दोबारा सांसद चुने गए ओवैसी ने उर्दू में शपथ ली और 'जय भीम, जय तेलंगाना, जय फिलिस्तीन' के नारे के साथ शपथ समाप्त की।

संपादकीय

लोकतंत्र की दरकार

देश में लंबे चले चुनाव अभियान और चुनाव परिणाम के बाद अस्तित्व में आयी 18वीं लोकसभा के पहले सत्र की शुरुआत हो चुकी है। राजग की लगातार तीसरी पारी गठबंधन सरकार के रूप में सामने आई है। निश्चित रूप से इस बार विपक्षी गठबंधन पिछले दशक के मुकाबले ज्यादा मजबूत बनकर उभरा है। लेकिन लोकसभा अध्यक्ष के चुनाव से ठीक पहले राहुल गांधी का विपक्ष का नेता चुना जाना साफ बताता है कि आने वाले दिनों में राजग सरकार की राह आसान नहीं रहने वाली। इस संक्षिप्त सत्र के दूसरे दिन लोकसभा अध्यक्ष के चुनाव को लेकर सत्ता-पक्ष व विपक्ष के बीच जो तनातनी सामने आई, वह पिछले सात दशकों के मुकाबले अभूतपूर्व है। विपक्ष एक ओर लोकसभा उपाध्यक्ष पद देने की मांग कर रहा था, तो सत्ता पक्ष ऐसा करने को तैयार नहीं था। जाहिर इस टकराव के बीच लोकसभा अध्यक्ष पद के लिए चुनाव कराने की स्थितियां बनी हैं। हालांकि, राजग सरकार के पास चुनाव पूर्व गठबंधन के चलते पूर्ण बहुमत है, लेकिन विपक्ष इस चुनाव को अपनी एकजुटता के रूप में एक प्रतीकात्मक दबाव के रूप में दिखाना चाहेगा। बहरहाल, बेहतर होता कि लोकसभा में अध्यक्ष व उपाध्यक्ष पदों पर चयन सत्ता पक्ष व विपक्ष के बीच सहमति से होता। इसी तरह नवनिर्वाचित लोकसभा सदस्यों को शपथ दिलाने के लिये नियुक्त प्रोटेम स्पीकर की नियुक्ति को लेकर भी सत्ता पक्ष व विपक्ष में तनातनी देखी गई। वरिष्ठता के क्रम में इंडिया गठबंधन की ओर से कांग्रेस की दावेदारी की गई थी। बहरहाल, 18वीं लोकसभा की शुरुआत में ही पक्ष-विपक्ष के बीच तनातनी की शुरुआत स्वस्थ लोकतंत्र के लिये अच्छा संकेत तो कदापि नहीं है। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि 17वीं लोकसभा के दौरान टकराव के चलते तमाम सत्रों में कामकाज बुरी तरह प्रभावित रहा। उल्लेखनीय है कि दिसंबर, 2023 में शीतकालीन सत्र के दौरान लोकसभा में घुसपैठ के मामले में बहस की मांग पर कथित दुर्व्यवहार हेतु 141 विपक्षी सांसदों को निलंबित किया गया था। जिसमें 95 लोकसभा सदस्य थे। उम्मीद की जानी चाहिए 18वीं लोकसभा में वैसे दृश्य फिर न देखने को मिलें। जनता अपने प्रतिनिधियों को इस लिये चुनकर संसद में भेजती है ताकि वे उनके इलाके के विकास को नई दिशा दे सकें। लेकिन पहले दिन विपक्षी नेताओं द्वारा संसद में संविधान की प्रतियों के साथ एकजुटता दर्शाना और कतिपय सत्तारूढ़ दल के सांसदों के शपथ ग्रहण के दौरान नारेबाजी को देखकर लगता है कि विपक्ष ज्यादा मुखर होकर सरकार के लिये चुनौती पेश करता रहेगा। बहरहाल, किसी भी लोकतंत्र की खूबसूरती इस बात में है कि सरकार सहमति से चले। साथ ही विपक्ष भी जिम्मेदार भूमिका में नजर आए। कुल मिलाकर हंगामे, बहिष्कार व नारेबाजी के बजाय रचनात्मक व गरिमामय भूमिका की दरकार है। स्वस्थ लोकतंत्र की दरकार है सरकार के निर्णयों में हर छोटे-बड़े राजनीतिक दल की भागीदारी हो। सत्तारूढ़ दल को भी इस बात का बखूबी अहसास होना चाहिए कि इस बार विपक्ष मजूबती के साथ लोकसभा में उपस्थित हुआ है। उसके साथ वैसा व्यवहार नहीं किया जा सकता है जैसा कि राजग सरकार के पिछले दो कार्यकालों में नजर आया था। ऐसे में राजग सरकार को विपक्षी सहयोग से सदन को चलाना होगा। विपक्षी नेताओं के साथ मित्रवत व्यवहार ही सरकार की कार्यशैली को रवानगी देगा। अन्यथा लगातार टकराव की स्थिति बनी ही रहेगी। जिससे सत्तापक्ष व विपक्ष को लगातार बचने का प्रयास करना होगा। भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र कहलाता है। जिसे सार्थक बनाने का दायित्व सत्तारूढ़ व विपक्षी सांसदों के पास है। लगातार टकराव व हंगामे का दुनिया में कोई अच्छा संदेश नहीं जाएगा। किसी भी कलह से घिरी सरकार पर कई तरह के अंतर्राष्ट्रीय दबाव बढ़ने शुरू हो जाते हैं, जिससे देश की अंतर्राष्ट्रीय छवि भी प्रभावित होती है। उम्मीद की जानी चाहिए कि 18वीं लोकसभा में पक्ष-विपक्ष मनभेद-मतभेद भुलाकर नये भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। देश के सामने बेरोजगारी, आर्थिक असमानता, महंगाई और विकास से जुड़ी तमाम चुनौतियां खड़ी हैं, सरकार और विपक्ष को इसका एकजुट होकर मुकाबला करना चाहिए।

पंजाब को चाहिए सर्वांगीण विकास का दृष्टिकोण

गुरबचन जगत

कुछ दिन पहले मैं किताबों की दुकान पर यह देखने गया कि नया क्या आया है। मैंने कुछ किताबें चुनीं और बाहर निकलने ही वाला था कि एक युवा महिला कहने लगी कि वह मुझ से कुछ बात करना चाहती है। मैं उसे और दिल्ली में उसके परिवार को बहुत अच्छी तरह जानता हूं। वह काफी उद्वेलित लग रही थी और उसने सीधे मुझसे सवाल दागा कि लोकसभा चुनाव में अमृतपाल सिंह और सरबजीत सिंह खालसा की जीत के पंजाब के भविष्य को लेकर क्या मायने हैं। मैंने उसका डर दूर करने की कोशिश की, लेकिन पूरी तरह कामयाब नहीं हो पाया। किताबों की दुकान जैसे सौम्य माहौल में हुई इस दोस्ताना बहस ने मुझे हिला दिया और अचानक शुरू हुए इस संवाद से पैदा हुई विचार प्रक्रिया को मैंने झटकने का प्रयास किया। मैं घर पहुंचा, तभी रिश्ते में अग्रज लगते भाई का फोन आया, जो सेना में ऊंचे ओहदे से एक सेवानिवृत्त अधिकारी हैं और इन दिनों पंजाब में बसे हुए हैं। उन्होंने भी पूछा कि पंजाब में क्या चल रहा है। मैंने उन्हें भी नरमी भरी बातों से इस चिंता से निकालने की कोशिश की और सुझाव दिया कि वे और उनकी पत्नी कुछ दिनों के लिए कहीं घूम आएं। अगले कुछ दिनों तक मुझे पंजाब से रिश्तेदारों, मित्रों और परिचितों की अनेक फोन कॉल्स आईं, सब एक जैसे सवाल पूछ रहे थे, आधी गंभीरता, आधे उत्साह युक्त। पंजाब में एक दशक तक चली हिंसा की सुनामी के वक्त भी, सतह के नीचे, चिंता की तरंगें थीं। तो क्या गुजरा अतीत, वर्तमान और भविष्य बनने जा रहा है? हिंसा की उस कहानी को पकने में कई साल लगे थे और मैं उनमें एक हूं जिन्होंने अपनी आंखों से इसे आगाज़ से अंत तक घटित होते देखा। आम धारणा के विपरीत, अंतिम काली छाया तक पहुंचने से पहले, इसने विकसित होने में कई साल लिए थे और इस बुरी कहानी के नाटकीय पात्र सर्वविदित हैं। शतरंज की बिसात पर मोहरे चलाने वाली राजनीतिक और सामाजिक शक्तियों के बारे में भी सबको पता है, लेकिन ग्रीक कहानियों में त्रासदी की नियति की भांति हम भविष्य के वक्त की चाल को देख तो सकते हैं लेकिन दखल देकर उसकी धारा को मोड़ नहीं दे सकते और त्रासदी है कि वह अपनी राह पर चलते हुए, रक्तरंजित अंजाम को पा जाती है। यह सब बहुत पहले की बात नहीं है और जनता की याददाश्त वैसे भी कमज़ोर होती है तो क्या हम फिर पुनरावृत्ति की राह पर हैं? मैं यह तो नहीं कहना चाहूंगा लेकिन फिर सरकार चुप क्यों हैं? राजनीतिक दल क्यों चुप्पी साधे हुए हैं? मीडिया किसलिए मूक है और सिविल सोसायटी भी चुप क्यों हैं? कहां से आये हैं ये दो लोग और किस प्रकार संसद के सदस्य तक चुन लिए गये हैं? यही वक्त है ऐसे सवाल पूछने का और यही समय है जब सरकार और राजनीतिक दल इनके जवाब दें। आज की तारीख में लगता है राजनीतिक दलों का एक ही ध्येय है – संसद, विधानसभा, नगर निकाय और पंचायत के चुनाव लड़ना और जीत पाना। उनकी एकमात्र इच्छा सभी स्तरों पर ताकत हासिल करना है, बगैर किसी जवाबदेही के। सरकार को अब तक पता होना चाहिए था कि लोग चिंतित हैं, पंजाब में क्या हुआ, इन चुनावी नतीज़ों की व्याख्या करने को उसे मूल कारण तक गहरे उतरना चाहिए, यहां तक कि कंगना रनौत थप्पड़ कांड में भी। पिछले दो दशकों में सरकारें बनीं और गईं, लेकिन उनमें किसी एक ने भी 1980 और 1990 के दशक में जो कुछ हुआ, उसकी वजहें जानने की कोशिश नहीं की, और न ही कोई सबक लिया। किसी सरकार ने युवाओं की शिक्षा, रोजगार, बुनियादी ढांचा विकास और उद्योग स्थापना के लिए बृहद योजना नहीं बनाई। कहने का अर्थ यह नहीं कि पंजाब में कोई विकास नहीं हुआ। हरित क्रांति और इसके बाद के सालों ने पंजाब को सुनहरे दिन दिए और भारत को अन्न के मामले में आत्मनिर्भर बनाया। एक आईआईटी, एक आईएमएम, एक उच्चकोटि का मेडिकल शिक्षा संस्थान और सड़क तंत्र जरूर बना है लेकिन यह बहुत कम और बहुत देर से हुआ और अधिकांश अंदरूनी ग्रामीण इलाका आज भी पुरानी पड़ चुकी कृषि अर्थव्यवस्था और बंटवारे के बाद छोटे होते खेतों से घटती कमाई के चक्र में फंसा हुआ है, जिससे किसान के सिर पर भारी कर्ज चढ़ जाता है और वे आत्महत्या तक कर लेते हैं। रोजगार के स्रोत जैसे कि सशस्त्र सेना में भर्ती भी सिकुड़ी है, लिहाजा विदेशी मुल्कों की ओर बड़े पैमाने पर युवाओं का पलायन हो रहा है। इसके चलते नौजवान और बड़ों में रोष सुलग रहा है जिसका दोहन अतिवादी तत्व कर सकते हैं। राजनेताओं की प्रवृत्ति झूठे वादे, मुफ्त की रेवड़ियां बांटने और मिथ्या आंकड़ों से बहलाने की होती है, इससे स्थिति और बिगड़ती है– वे किसे बेवकूफ बनाने का प्रयास कर रहे हैं? नशे का सेवन पूरे देश में आम हो चला है और देशभर में इसकी रोकथाम के रूप में महज यहां-वहां की जा रही छापेमारी है या छोटी मछलियां पकड़ी जाती हैं। नशा माफिया का एक भी बड़ा व्यापारी या इसमें पूंजी लगाने वाला गिरफ्तार नहीं हुआ है। मुख्यधारा के राजनीतिक दल निरंतर धुर-दक्षिणपंथियों के लिए मैदान खाली छोड़ रहे हैं। हालिया लोकसभा चुनाव में, शिरोमणि अकाली दल का वोट शेयर घटकर 13.4 फीसदी रह गया। हालांकि 18.5 प्रतिशत वोटों के साथ भाजपा की कारगुजारी भी कोई बढ़िया नहीं रही। अकाली दल का प्रदर्शन 2022 के विधानसभा चुनाव में पाए 18.3 फीसदी वोटों से नीचे गिरा है। मैंने अकाली दल का नाम इसलिए लिया क्योंकि यह वह दल है जिसने कभी पंजाबी सूबा मोर्चा जैसे आंदोलन चलाए और कांग्रेस के बाद देश की दूसरी सबसे पुरानी राजनीतिक पार्टी है। दिवंगत प्रकाश सिंह बादल पांच बार मुख्यमंत्री बने और कद्दावर शख्सियत थे जिन्होंने राजनीतिक मुद्दों पर अपना अडिग रुख कायम रखते हुए अनेक बार जेलें काटी, इनमें इमरजेंसी से लेकर सतलुज-यमुना लिंक नहर को लेकर चलाए आंदोलन भी शामिल हैं। हालांकि अतिवादियों के दबदबे वाले 1980 और 90 के कालखंड में उनकी पार्टी ने भी अन्य मुख्यधारा दलों की भांति मूक-दर्शक बने रहना चुना था, जिससे कि सारा मैदान अतिवादियों के लिए खुला छूट गया। इससे आगे, आतंकवादियों के निर्देशों का पालन करते हुए उनकी पार्टी ने 1992 में हुए विधानसभा चुनाव का बहिष्कार किया था।

सहज योग

जहां चित्त जाए वहां काम बन जाए

परमात्मा के बहुत से प्रतीक रूप आपने सुने होंगे जैसे गणेश जी हैं, उनके मूषक वाहन हैं और सबके वाहन आपने सुने हैं।

हमारे फोटो से चैतन्य हर समय आता है, कभी रुकता नहीं। आप हमारे फोटो की ओर अपना हाथ किया करिए। गर आपके किसी भी उंगली पर आपको चैतन्य गर्म नजर आ रहा है, तो उन सब चीज़ों का अर्थ होता है। जैसे आप जानते हैं ये मणिपुर चक्र है,ये विशुद्धि चक्र, ये आज्ञा चक्र , ये स्वाधिष्ठान चक्र है और ये आपका मूलाधार चक्र है और बीचों बीच यहां पर आपके हाथ के बीचों-बीच सहस्रार है, पूरा गोल किसी के भी, किसी ने आकर आपको बता दिया कि फैलाने लाने की तबियत खराब है, हम चाहते हैं कि आप उसके लिए प्रार्थना करें। कुछ करने की जरूरत नहीं। जो चक्र उनका खराब हो उसको आप यूं करके धो लीजिए उनको बहुत फायदा हो जाएगा। यहीं बैठे आपकी उंगलियों के इशारे पर सब चीज़ चलने वाली है। आपके attention पर दिव्यत्व है, मैंने सबेरे बताया था, इसका आप पड़ताला लीजिए। पांव में पूरे चक्र बने हैं। मनुष्य बहुत बड़ी चीज है, बहुत बड़ी चीज़ है। ऐसे हजारों उसके सामने यंत्र फेंक दिए जाएं, उसका यंत्र परमात्मा ने इतना सुन्दर बनाया है। बस उसकी बिजली चमकाने की बात है। वो भी चमक गई, अब क्या रह गया? रह यही गया कि बहुत कुछ है लेकिन अब दीप लेकर सब जुट जाना होगा और देखना होगा क्या है क्योंकि बहुत कुछ है। थोड़ा सा एक दिया जला दिया और उसको लेकर बैठे हैं। बैठने की बात नहीं और आप देखिएगा कहां तो दूसरों के मन में, दूसरों के अंतस में, दूसरों के अंतस में जब आप देखिएगा तब आप जानिएगा कि क्या है। इसलिए यहां पर एक organisation की भी बात सोची गई है। हमारे एक अनन्त जीवन नाम की संस्था है, बम्बई में चली है। इसमें हम कोई Membership नहीं रखते हैं, जो realized होगा वो member है, realized लोग भी थोड़े से वो ढलक जाते हैं। फिर से realized होते हैं, कुछ आते हैं ऊपर से फिर सड़क जाते हैं। ऐसे आपमें भी आधे अधूरे कुछ होंगे, कुछ पूरे होंगे, बिल्कुल चलेंगे। परमात्मा के बहुत से प्रतीक रूप आपने सुने होंगे जैसे गणेश जी हैं, उनके मूषक वाहन हैं और सबके वाहन आपने सुने हैं। आपका वाहन सिर्फ चित्त है, आप चित्तारूढ़, चित्त पे रहें। क्या कमाल है आपकी? आप चित्त पर अपने बैठे हुए हैं, जहां चित्त जाए वहीं काम बन जाए। और इसकी इतनी कमाल है, यहां बैठे-बैठे आप अपनी सत्ता निकालिए। यूं करके ठीक कीजिए सब। जिसको भी देखा है कि वो सता रहा है, परेशान कर रहा है, किसी भी आदमी जिसके लिए भी आप सोचते हैं अपने सहस्रार पर ला करके उसको ठीक कीजिए। बीच में ब्रह्मन्ध्र है, आपको आश्चर्य होगा कि उनकी काफी हालत ठीक हो गयी। बहुत दुष्ट, महादुष्ट जो अभी इन्होंने गाया था कि दुःशासन बैठे हैं और सन्त बैठे हैं, बिल्कुल बैठे हैं। सबके ऊपर में हम लोग बैठे-बैठे सबेरे यही धन्धा करते रहते हैं कि उनको सुबुद्धि दो। इस तरह से ये प्यार का चक्कर है, बैठे-बैठे यहां से प्यार का चक्कर घुमाने से उधर आदमी ठीक हो जाता है क्योंकि नफरत से कितनी ज्यादा शक्तिशाली है प्यार की बात। बहुत शक्तिशाली है, समुद्र की जैसे थाह होती है। समुद्र कितना बढ़ जाए उसकी थाह बढ़ती ही रहती है।

प्रस्तुति : धीरज सिंह

शख्सियत | पी. टी. उषा

इतिहास रचने वाली भारत की उड़न परी

पी. टी. उषा ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर की शुरुआत, सन् 1980 में मॉस्को ओलंपिक से की थी। इसके बाद 1982 में नई दिल्ली में हुए 9वे एशियाई गेम्स में 100 मीटर एवं 200 मीटर की रेस में सिल्वर मेडल जीतने के बाद उन्होंने अपनी असली प्रतिभा को साबित किया। एक एथलीट मीट में पीटी ऊषा ने 4 गोल्ड मेडल भारत के नाम किए थे ,16 साल की छोटी सी लड़की ने भारत का सर, दुश्मन देश पाकिस्तान में ऊंचा कर दिया था।

27 जून 1964 को केरल के मेलडी- पय्योली गांव के एक गरीब परिवार में जन्मी पी. टी उषा का जीवन बहुत ही गरीबी में गुजरा। उनके गांव के नाम की आधार पर उन्हें बाद में पय्योली एक्स्प्रेस के नाम से भी जाना जाने लगा। पी. टी उषा ने दौड़ने की शुरुआत तब कि, जब वह चौथी कक्षा में पढ़ती थी । पी. टी उषा ने अपने स्कूल के लिए जिला स्तर के मुकाबले जीती थीं। उन्हें केरल सरकार ने छात्रवृत्ति से सम्मानित किया उन्हें शिक्षा और प्रशिक्षण के लिए कन्नूर के एक विशेष खेल विद्यालय में जाना पड़ा। पी. टी उषा के जीवन में महत्वपूर्ण मोड़ तब आया ,जब 1976 में उनके कोच ओ. एम. नाम्बियार ने उन्हें नेशनल स्कूल गेम्स में देखा जहा उन्होंने उषा की महान क्षमता को महसूस किया और उन्हें आज की भारतीय कहावत बनने के लिए प्रशिक्षित किया। इसके बाद 1982 में पी. टी उषा ने 'वर्ल्ड जूनियर इनविटेशन मीट' में हिस्सा लिया और 200 मीटर की रेस में इन्होंने गोल्ड मेडल जीत कर देशों को गौरवान्वित किया जबकि 100 मीटर की रेस में ब्रॉन्ज मेडल जीता था। इसके एक साल बाद ही कुवैत में हुए ' एशियन ट्रैक एंड फील्ड चैंपियनशिप' में पी टी उषा ने 400 मीटर की रेस में नया रिकॉर्ड बनाया और गोल्ड मेडल जीता। इसके बाद इन्होंने अपनी परफॉर्मेंस मे सुधार करने के लिए और प्रयास किए और अब वह 1984 में होने वाले ओलंपिक की तैयारी जमकर करने मे लग गई। 1984 में लॉस एंजेलिस में हुए ओलंपिक में पी. टी उषा ने सेमीफाइनल के पहले राउंड की 400 मीटर बाधा दौड़ को अच्छे से समाप्त कर लिया लेकिन इसके फाइनल में वह 1/100 के मार्जिन से हार गई और उनको ब्रोंज मेडल नहीं मिल पाया। सन 1985 में पी. टी उषा ने इंडोनेशिया के जकार्ता में 'एशियन ट्रैक एंड फील्ड चैंपियनशिप' में भाग लिया जहां इन्होंने 5 गोल्ड मेडल और एक ब्रोंज मेडल जीता। यही पी टी उषा को स्प्रिंट क्वीन का खिताब दिया गया। सन 1986 में दसवें 'एशियाई गेम्स' जो सियोल में हुआ वहां उन्होंने 200 मीटर, 400 मीटर, 400 मीटर बाधा रेस व 4×400 मीटर रिले रेस में हिस्सा लिया, जिसमें चारों ही रेस में ही उषा विजयी रही और गोल्ड मेडल भारत के नाम कर दिए। एक ही इवेंट में एक ही एथलीट द्वारा इतने मेडल जीतना अपने आप में एक रिकॉर्ड था जिसे महान पी. टी उषा ने अपने नाम कर लिया था। सन 1988 में सियोल में ओलंपिक गेम्स का आयोजन हुआ जिसमें पी. टी. उषा को भी हिस्सा लेना था लेकिन इस मैच से ठीक पहले ही उनके पैर में चोट लग गई लेकिन पी. टी उषा के जज्बे को यह चोट भी नहीं रोक पाए और उन्होंने उसी हालत में अपने देश के लिए उस गेम में हिस्सा लिया लेकिन दुर्भाग्य से वह गेम में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए और उन्हें भी जीत नहीं मिल सकी। इसके बाद, पी. टी उषा ने 1989 में अपनी परफॉर्मेंस पर काम किया और दिल्ली में आयोजित 'एशियन ट्रेड फेडरेशन मीट' में जबरदस्त तैयारी के साथ भाग लिया।

जीवन ऊर्जा | चार्ल्स स्टीवर्टपार्नेल : जन्म 27 जून, 1846 | जन्म

परिवर्तन के बिना प्रगति असंभव है

चार्ल्स स्टीवर्टपार्नेल, जिनका जन्म 27जून, 1846 को हुआ था,एक प्रभावशाली आयरिशराष्ट्रवादी और राजनीतिज्ञ थे, जिन्होंने आयरिश होम रूल आंदोलन का नेतृत्वकिया था। अपने करिश्माई नेतृत्व के लिए जाने जाने वाले, उन्होंने आयरलैंड के लिए स्वशासन हासिल करने की कोशिश की। पार्नेल का निधन 6 अक्टूबर, 1891 को हुआ, और वे आयरिश इतिहास मेंएक महत्वपूर्ण विरासत छोड़ गए।

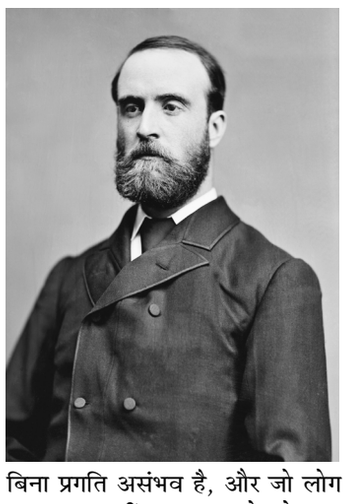

किसी भी व्यक्तिको किसी राष्ट्र की प्रगति की सीमा तय करने का अधिकार नहीं है। आपको अपनी ताकतदिखानी चाहिए, और ऐसा करके आपऔर मजबूत बनेंगे। निष्क्रियता कायरता है, लेकिन श्रम के बिना आत्म-सम्मान नहीं हो सकता। अगर हम खुद का सम्मान नहीं करतेहैं तो हम दूसरों से हमारा सम्मान करने के लिए नहीं कह सकते। अपने सिद्धांतों परअड़े रहें, भले ही इसका मतलब अकेलेखड़े रहना हो। हमारा भविष्य हमारे अपने हाथों में है। दुनिया उन लोगों से चलती हैजो यथास्थिति को चुनौती देने का साहस करते हैं। किसी राष्ट्र की महानता उसकीस्वतंत्रता के लिए लड़ने की क्षमता से मापी जाती है। अंत में, हम अपने दुश्मनों के शब्दों को नहीं, बल्कि अपने दोस्तों की चुप्पी को याद रखेंगे। परिवर्तनके बिना प्रगति असंभव है, और जो लोग अपनामन नहीं बदल सकते, वे कुछ भी नहींबदल सकते। सच्चे नेता दूसरों को अधिक सपने देखने, अधिक सीखने, अधिक करने औरअधिक बनने के लिए प्रेरित करते हैं। किसी राष्ट्र की ताकत घर की अखंडता से प्राप्तहोती है। स्वतंत्रता आत्मा की ऑक्सीजन है। अपने सपनों की शक्ति और उन्हें पाने केसाहस पर विश्वास रखें। सफलता खुशी की कुंजी नहीं है। खुशी सफलता की कुंजी है। अगरआप जो कर रहे हैं, उससे प्यार करतेहैं, तो आप सफल होंगे। साहसहमेशा दहाड़ता नहीं है। कभी-कभी यह दिन के अंत में शांत आवाज़ होती है, जो कहती है, 'मैं कल फिर कोशिश करूँगा।' जीत हमेशा उस व्यक्ति के लिए संभव है जो लड़ना बंद करने सेइनकार करता है। एक व्यक्ति जिसने कभी गलती नहीं की, उसने कभी कुछ नया करने की कोशिश नहीं की। आपको वह बदलाव खुदबनना चाहिए जो आप दुनिया में देखना चाहते हैं। भविष्य की भविष्यवाणी करने का सबसेअच्छा तरीका इसे बनाना है।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्य प्रदेश

बांस की लकड़ी को क्यों नहीं जलाया जाता है।

इसके पीछे धार्मिक कारण है या वैज्ञानिक कारण ?

धार्मिक कारण

हम अक्सर शुभ (जैसे हवन अथवा पूजन) और अशुभ (दाह संस्कार) कामों के लिए विभिन्न प्रकार के लकड़ियों को जलाने में प्रयोग करते है लेकिन क्या आपने कभी किसी काम के दौरान बांस की लकड़ी को जलता हुआ देखा है। नहीं ना?

भारतीय संस्कृति, परंपरा और धार्मिक महत्व के अनुसार, 'हमारे शास्त्रों में बांस की लकड़ी को जलाना वर्जित माना गया है। यहां तक की हम अर्थी के लिए बांस की लकड़ी का उपयोग तो करते है लेकिन उसे चिता में जलाते नहीं।' हिन्दू धर्मानुसार बांस जलाने से पितृ दोष लगता है वहीं जन्म के समय जो नाल माता और शिशु को जोड़ के रखती है, उसे भी बांस के वृक्षो के बीच मे गाड़ते है ताकि वंश सदैव बढ़ता रहे।

वैज्ञानिक कारण

बांस में लेड व हेवी मेटल प्रचुर मात्रा में पाई जाती है। लेड जलने पर लेड ऑक्साइड बनाता है जो कि एक खतरनाक नीरो टॉक्सिक है हेवी मेटल भी जलने पर ऑक्साइड्स बनाते हैं। लेकिन जिस बांस की लकड़ी को जलाना शास्त्रों में वर्जित है यहां तक कि चिता मे भी नही जला सकते, उस बांस की लकड़ी को हमलोग रोज़ अगरबत्ती में जलाते हैं। अगरबत्ती के जलने से उतपन्न हुई सुगन्ध के प्रसार के लिए फेथलेट नाम के विशिष्ट केमिकल का प्रयोग किया जाता है। यह एक फेथलिक एसिड का ईस्टर होता है जो कि श्वांस के साथ शरीर में प्रवेश करता है, इस प्रकार अगरबत्ती की तथाकथित सुगन्ध न्यूरोटॉक्सिक एवम हेप्टोटोक्सिक को भी स्वांस के साथ शरीर मे पहुंचाती है।

इसकी लेश मात्र उपस्थिति कैन्सर अथवा मष्तिष्क आघात का कारण बन सकती है। हेप्टो टॉक्सिक की थोड़ी सी मात्रा लीवर को नष्ट करने के लिए पर्याप्त है। शास्त्रो में पूजन विधान में कही भी अगरबत्ती का उल्लेख नही मिलता सब जगह धूप ही लिखा है, हर स्थान पर धूप,दीप,नैवेद्य का ही वर्णन है।

अगरबत्ती का प्रयोग भारतवर्ष में इस्लाम के आगमन के साथ ही शुरू हुआ है। मुस्लिम लोग अगरबत्ती मज़ारों में जलाते है, हम हमेशा अंधानुकरण ही करते है, जब कि हमारे धर्म की हर एक बातें वैज्ञानिक दृष्टिकोण के अनुसार मानवमात्र के कल्याण के लिए ही बनी है। अतः कृपया अगरबत्ती की जगह धूप का ही उपयोग करें और अपनी संस्कृति ,सनातन धर्म हमारी धरोहर को समझे और अपनी आने वाली पीढ़ियों को भी समझाये !

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

प्रेरक प्रसंग

बोले हुए शब्द वापस नहीं आते

एक बार एक किसान ने अपने पडोसी को भला बुरा कह दिया, पर जब बाद में उसे अपनी गलती का एहसास हुआ तो वह एक संत के पास गया।उसने संत से अपने शब्द वापस लेने का उपाय पूछा।

संत ने किसान से कहा , " तुम खूब सारे पंख इकठ्ठा कर लो , और उन्हें शहर के बीचो-बीच जाकर रख दो ।" किसान ने ऐसा ही किया और फिर संत के पास पहुंच गया। तब संत ने कहा , " अब जाओ और उन पंखों को इकठ्ठा कर के वापस ले आओ" किसान वापस गया पर तब तक सारे पंख हवा से इधर-उधर उड़ चुके थे। और किसान खाली हाथ संत के पास पहुंचा। तब संत ने उससे कहा कि ठीक ऐसा ही तुम्हारे द्वारा कहे गए शब्दों के साथ होता है,तुम आसानी से इन्हें अपने मुख से निकाल तो सकते हो पर चाह कर भी वापस नहीं ले सकते।

इस कहानी से क्या सीख मिलती है:

कुछ कड़वा बोलने से पहले ये याद रखें कि भला-बुरा कहने के बाद कुछ भी कर के अपने शब्द वापस नहीं लिए जा सकते। हाँ, आप उस व्यक्ति से जाकर क्षमा ज़रूर मांग सकते हैं, और मांगनी भी चाहिए, पर human nature कुछ ऐसा होता है की कुछ भी कर लीजिये इंसान कहीं ना कहीं hurt हो ही जाता है। जब आप किसी को बुरा कहते हैं तो वह उसे कष्ट पहुंचाने के लिए होता है पर बाद में वो आप ही को अधिक कष्ट देता है। खुद को कष्ट देने से क्या लाभ, इससे अच्छा तो है की चुप रहा जाए।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुणलाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित। फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com कार्यकारी संपादक : राजा आदाटे (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)।

सूस शेफ में करियर के अवसर

भारत की हलचल भरी खाद्य संस्कृति की जीवंत रसोई में, रसोइये संचालक की तरह होते हैं, जो स्वादों का सम्मिश्रण करते हैं और पाक सिम्फनी बनाने के लिए व्यंजनों को संतुलित करते हैं। वे चुपचाप लेकिन कुशलता से काम करते हैं, यह सुनिश्चित करते हुए कि देश भर के रेस्तरां और होटलों में परोसा जाने वाला हर भोजन उत्कृष्ट हो। सूस शेफ रसोई में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, मुख्य शेफ के साथ मिलकर काम करता है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि भोजन पूरी तरह से तैयार और परोसा गया है। भारत में यह करियर पथ खाना पकाने और पाक कला के प्रति जुनूनी लोगों के लिए विविध अवसर प्रदान करता है।

सूस शेफ क्या करता है?

एक सूस शेफ रसोई ब्रिगेड में दूसरे नंबर का अधिकारी होता है, जो भोजन तैयार करने और रसोई प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं के लिए जिम्मेदार होता है। उनके कर्तव्यों में शामिल हैं:

मुख्य शेफ की सहायता करना: सूस शेफ मेनू की योजना बनाने, रेसिपी बनाने और रसोई संचालन की देखरेख करने में मुख्य शेफ की सहायता करते हैं।

खाना तैयार करना: वे भोजन तैयार करने की देखरेख करते हैं, यह सुनिश्चित करते हैं कि व्यंजन सही मानकों और समय पर पकाए गए हैं।

रसोई प्रबंधन: सूस शेफ रसोई कर्मचारियों का प्रबंधन करते हैं, यह सुनिश्चित करते हैं कि हर कोई स्वच्छता और सुरक्षा नियमों का पालन करे। वे इन्वेंट्री और स्टॉक नियंत्रण की भी देखरेख करते हैं।

क्वालिटी कंट्रोल: वे सुनिश्चित करते हैं कि रसोई से निकलने वाला प्रत्येक व्यंजन रेस्तरां द्वारा निर्धारित क्वालिटी और प्रस्तुति मानकों को पूरा करता है।

शिक्षा और प्रशिक्षण

पाक कला विद्यालय : कई सूस शेफ खाना पकाने की तकनीक, खाद्य सुरक्षा और रसोई प्रबंधन सीखने के लिए पाक कला विद्यालय में भाग लेकर शुरुआत करते हैं। कार्यक्रम डिप्लोमा से लेकर पाक कला में स्नातक की डिग्री तक होते हैं।

प्रशिक्षुता : व्यावहारिक अनुभव महत्वपूर्ण है। आकांक्षी सूस शेफ अक्सर प्रवेश स्तर के रसोई पदों से अपना रास्ता बनाते हैं, विभिन्न रसोई भूमिकाओं में अनुभव प्राप्त करते हैं।

प्रमाणन : कुछ शेफ अपने कौशल और साख को बढ़ाने के लिए पाक कला संघों या संस्थानों से प्रमाणन प्राप्त करते हैं।

आवश्यक कौशल

सफल सूस शेफ के पास पाक कला कौशल और व्यक्तिगत विशेषताओं का मिश्रण होता है:

पाक कला कौशल : खाना पकाने की तकनीक, भोजन प्रस्तुतीकरण और मेनू योजना में दक्षता आवश्यक है।

नेतृत्व क्षमता : सूस शेफ को रसोई टीमों का प्रभावी ढंग से नेतृत्व करना चाहिए, कर्मचारियों को प्रेरित करना चाहिए और सकारात्मक कार्य वातावरण बनाए रखना चाहिए।

संगठनात्मक कौशल: वे शेड्यूलिंग, इन्वेंट्री प्रबंधन और रसोई की सफाई सुनिश्चित करने सहित रसोई के संचालन को कुशलतापूर्वक प्रबंधित करते हैं।

क्रिएटिविटी : नए व्यंजन बनाने और व्यंजनों को अनुकूलित करने के लिए क्रिएटिविटी और इनोवेशन की जरूरत होती है।

विवरण पर ध्यान: सूस शेफ को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि प्रत्येक व्यंजन गुणवत्ता मानकों को पूरा करता हो और आकर्षक ढंग से प्रस्तुत किया गया हो।

कैरियर पथ और अवसर

रेस्तरां : बढ़िया भोजन प्रतिष्ठानों से लेकर आकस्मिक भोजनालयों तक, रेस्तरां सूस शेफ को अपने कौशल का प्रदर्शन करने के लिए विविध अवसर प्रदान करते हैं।

होटल : कई होटलों में व्यापक रसोई संचालन होता है, जो सूस शेफ को बैंक्वेट हॉल, रूम सर्विस और विशेष रेस्तरां में काम करने के अवसर प्रदान करता है।

कैटरिंग कंपनियां : सूस शेफ खानपान कंपनियों के लिए काम कर सकते हैं, शादियों, कॉर्पोरेट समारोहों और पार्टियों जैसे आयोजनों के लिए भोजन तैयार कर सकते हैं।

पाककला संबंधी शिक्षा : कुछ सूस शेफ संस्थानों या पाक कला स्कूलों में पाककला सिखाना चुनते हैं।

फूड इंडस्ट्री : फूड मैन्यूफैक्चरिंग, प्रोडक्ट डेवलपमंट और फूड सर्विस मैनेजमें में अवसर मौजूद हैं।

चुनौतियां और पुरस्कार

भारत में एक सूस शेफ़ के रूप में काम करना अपनी तरह की चुनौतियों और पुरस्कारों के साथ आता है:

लंबे घंटे : रसोई का माहौल मांग वाला हो सकता है, अक्सर शेफ़ को लंबी शिफ्ट, सप्ताहांत और छुट्टियों में काम करना पड़ता है।

दबाव : रसोई की तेज़-तर्रार प्रकृति तनावपूर्ण हो सकती है, जिससे शेफ़ को तेज़ी से सोचना पड़ता है और बदलती परिस्थितियों के हिसाब से ढलना पड़ता है।

रचनात्मकता : नए व्यंजन और मेनू आइटम विकसित करने से सूस शेफ़ को अपनी पाक रचनात्मकता को व्यक्त करने और अपने नवाचारों के लिए मान्यता प्राप्त करने का मौका मिलता है।

करियर ग्रोथ : अनुभव और कौशल विकास के साथ, सूस शेफ़ पूरे रसोई संचालन की देखरेख करते हुए हेड शेफ़ या एग्जीक्यूटिव शेफ़ बन सकते हैं।

तमिलनाडु स्टेट सिविल परीक्षा के लिए आवेदन शुरू

2,337 पदों पर भर्ती, ग्रेजुएट्स को मौका

श्रीमिलनाडु लोक सेवा आयोग (TNPSC) ने स्टेट सिविल परीक्षा के लिए आवेदन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। उम्मीदवार टीएनपीएससी की ऑफिशियल वेबसाइट tnpsc.gov.in पर जाकर अप्लाई कर सकते हैं। उम्मीदवारों को 24 जुलाई तक एप्लीकेशन फॉर्म में करेक्शन करना होगा। टीएनपीएससी ग्रुप -2 की प्रीलिम्स एग्जाम 14 सितंबर 2024 को आयोजित की जाएगी। यह परीक्षा 1 ही शिफ्ट में होगी।

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन : ग्रेजुएशन की डिग्री।

आयु सीमा : अधिकतम 35 साल।

सिलेक्शन प्रोसेस : एग्जाम के बेसिस पर।

सैलरी : 37,200-1,17,600 रुपए प्रतिमाह।

इसके अलावा अन्य भत्तों का लाभ भी मिलेगा।

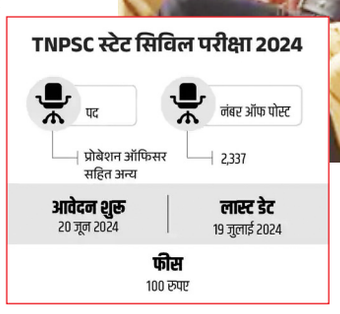

एग्जाम पैटर्न

- परीक्षा में कुल 200 प्रश्न पूछे जाएंगे।
- एग्जाम के लिए उम्मीदवारों को 3 घंटे का समय दिया जाएगा।
- प्रश्न-पत्र तीन भागों में रहेगा। पहले भाग में 75 प्रश्न जनरल स्टडीज के होंगे।
- दूसरे भाग में 25 प्रश्न एप्टिट्यूड और मेंटल एबिलिटी के होंगे।
- तीसरे भाग में इंग्लिश या तमिल भाषा के 100 प्रश्न पूछे जाएंगे।
- परीक्षा 300 अंको की होगी। इसमें पास होने के लिए उम्मीदवारों को न्यूनतम 90 अंक लाने होंगे।

ऐसे करें आवेदन :

- TNPSC की ऑफिशियल वेबसाइट tnpsc.gov.in पर जाएं।
- ऑनलाइन आवेदन सेक्शन पर जाएं या होमपेज पर ग्रुप 2 आवेदन लिंक खोजें।
- रजिस्ट्रेशन करके फॉर्म में सभी डिटेल्स दर्ज करें।
- फीस का भुगतान करें।
- फोटो और सभी डॉक्यूमेंट्स अपलोड करें।
- फॉर्म जमा करें। इसका प्रिंट आउट लेकर रखें।

NMDC ने अप्रेंटिस के 197 पदों पर निकाली भर्ती

इंजीनियर्स को मौका, इंटरव्यू से होगा सिलेक्शन

राष्ट्रीय खनिज विकास निगम लिमिटेड (NMDC Ltd) की ओर से अप्रेंटिसशिप पदों पर भर्ती निकाली गई है। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट www.nmdc.co.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। इस भर्ती के लिए इंटरव्यू बैलाडिला लौह अयस्क खदान, किरंदुल कॉम्प्लेक्स, दंतेवाड़ा, छत्तीसगढ़ में लिए जाएंगे। उम्मीदवार इंटरव्यू के समय सभी जरूरी डॉक्यूमेंट्स साथ लेकर जाएं।

वैकेंसी डिटेल्स

ट्रेड अप्रेंटिस : 147 पद
ग्रेजुएट अप्रेंटिस : 40 पद
डिप्लोमा अप्रेंटिस : 10 पद
कुल पदों की संख्या : 197

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन

ट्रेड अप्रेंटिस :
संबंधित ट्रेड में आईटीआई पास।

ग्रेजुएट अप्रेंटिस :
मान्यता प्राप्त संस्थान या विश्वविद्यालय से इंजीनियरिंग या टेक्नोलॉजी में डिप्लोमा या डिग्री।

टेक्नीशियन (डिप्लोमा) अप्रेंटिस :
मैकेनिकल इंजीनियरिंग, सिविल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिक इंजीनियरिंग और माइनिंग इंजीनियरिंग में से किसी एक में डिप्लोमा।

आयु सीमा

उम्मीदवारों की आयु 14 जून को 16 साल से कम नहीं होना चाहिए।
सिलेक्शन प्रोसेस :

इंटरव्यू

डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन
मेडिकल एग्जाम

इंटरव्यू की तारीख :

ट्रेड अप्रेंटिस : 1, 2 4, 5 और 6 जुलाई 2024
ग्रेजुएट अप्रेंटिस : 7 और 8 जुलाई 2024
तकनीशियन डिप्लोमा अप्रेंटिस : 9 जुलाई 2024
स्टाइपेंड : एनएमडीसी नियमों के अनुसार।

ऐसे करें आवेदन

- ऑफिशियल वेबसाइट www.nmdc.co.in पर जाएं।
- अब एप्लिकेशन फॉर्म पर क्लिक करें।
- नए पेज पर फॉर्म ओपन होगा जिसमें मांगी गई जानकारी दर्ज करें।
- जरूरी डॉक्यूमेंट्स अपलोड करें।
- फॉर्म सब्मिट करें। इसका प्रिंट आउट लेकर रखें।

राशिफल

प्रियंका जैन

मेष व्यवसाय-व्यापार मनोनुकूल चलेगा। आय बनी रहेगी। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा, सावधानी रखें। बुरी खबर मिल सकती है। भागदौड़ अधिक रहेगी। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। मेहनत अधिक होगी।

वृष सामाजिक कार्य करने का मन लगेगा। मान-सम्मान मिलेगा। मेहनत का फल मिलेगा। कारोबार में वृद्धि के योग हैं। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में अधिकारी प्रसन्न रहेंगे।

मिथुन पुरानी संगी-साथियों से मुलाकात होगी। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। फालतू खर्च होगा। स्वास्थ्य कमजोर रह सकता है। आत्मसम्मान बना रहेगा। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। भाइयों का सहयोग मिलेगा।

कर्क बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। भेंट व उपहार की प्राप्ति संभव है। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड से मनोनुकूल लाभ होगा। नौकरी में प्रभाव वृद्धि होगी। बड़ा काम होने से प्रसन्नता रहेगी।

सिंह दुष्टजनों से सावधानी आवश्यक है। फालतू खर्च पर नियंत्रण नहीं रहेगा। हल्की मजाक करने से बचें। अपेक्षित काम में विलंब होगा। बेकार की बातों पर ध्यान न दें। अपने काम से काम रखें। लाभ के अवसर मिलेंगे। विवेक का प्रयोग करें।

कन्या यात्रा लाभदायक रहेगी। संतान पक्ष से बुरी खबर मिल सकती है। डूबी हुई रकम प्राप्त होगी। व्यापार-व्यवसाय से मनोनुकूल लाभ होगा। नौकरी में प्रशंसा मिलेगी। जल्दबाजी से काम बिगड़ सकते हैं।

तुला सामाजिक कार्य करने में मन लगेगा। योजना फलीभूत होगी। कार्यस्थल पर परिवर्तन हो सकता है। कारोबार मनोनुकूल लाभ देगा। नौकरी में अधिकार बढ़ सकते हैं। शेयर मार्केट, म्युचुअल फंड से लाभ होगा। आय में वृद्धि होगी।

वृश्चिक चोट व रोग से कष्ट हो सकता है। बेचैनी रहेगी। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। पूजा-पाठ में मन लगेगा। सत्संग का लाभ मिलेगा। राजकीय बाधा दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा।

धनु चोट व दुर्घटना से बड़ी हानि हो सकती है। पुराना रोग उभर सकता है। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। किसी व्यक्ति विशेष से कहासुनी हो सकती है। स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है। दौड़धूप रहेगी। नकारात्मकता हावी रहेगी।

मकर यात्रा लाभदायक रहेगी। राजकीय सहयोग मिलेगा। सरकारी कामों में सहूलियत होगी। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। घर में सुख-शांति रहेंगे। कारोबारी अनुबंध हो सकते हैं। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। पार्टनरों से सहयोग मिलेगा।

कुंभ ऐश्वर्य के साधनों पर खर्च होगा। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा। स्थायी संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। शारीरिक कष्ट संभव है। भ्रम की स्थिति उत्पन्न हो सकती है।

मीन पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बनेगा। आनंद के साथ समय व्यतीत होगा। मनपसंद व्यंजनों का लाभ मिलेगा। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। व्यापार मनोनुकूल लाभ देगा। नौकरी में प्रभाव वृद्धि होगी। किसी व्यक्ति से बहस हो सकती है।

हाथों में मछली का निशान हो तो जानें कौन-कौन से वर्ष में होगा भाग्योदय ?

हथेली में कई तरह की रेखाएं होती हैं। इनमें मुख्य रूप से जीवन, भाग्य, स्वास्थ्य, हृदय और धन संबंधी रेखाएं है। हथेली पर मौजूद धन रेखा से आपकी आर्थिक स्थिति कैसी रहेगी। क्या आप अपनी कमाई से धनवान बनेंगे या कहीं से आपको अचानक धन की प्राप्ति होगी। आइए जानते हैं आपकी हथेली में धन की रेखा क्या कहती है।

हस्तरेखा

हथेली में धन रेखा जीवन रेखा की तरह हर व्यक्ति की हथेली में एक स्थान से शुरू नहीं होती है। हर व्यक्ति की हथेली में धन की रेखा अलग-अलग स्थानों से और अलग-अलग रेखाओं और पर्वतों से मिलकर बनी होती है।

आपकी हथेली में सूर्य पर्वत, शुक्र पर्वत और गुरु पर्वत उठा हुआ है तो यह संकेत है कि आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी होगी और आप सुखी जीवन का आनंद लेंगे।

हस्तरेखा ज्योतिष के अनुसार शुक्र पर्वत भौतिक सुख को दर्शाता है, गुरु पर्वत नेतृत्व क्षमता और सूर्य पर्वत मान-सम्मान और प्रसिद्धि को दर्शाता है।

हस्तरेखा : हथेली पर बना शुक्र पर्वत क्या-क्या देता है संकेत

हथेली के इस हिस्से में बना तिल दिलाता है विदेश यात्रा का योग

अगर हथेली में जीवन रेखा, भाग्य रेखा और मस्तिष्क रेखा से मिलकर Mआकृति बन रही है तो यह संकेत है कि आप 35 से 55 साल के बीच खूब धन कमाएंगे।

कुछ लोगों की हथेली में उनकी भाग्य रेखा ही धन की रेखा का काम करती है यानी यह धन का हाल बताती है। जिनकी हथेली में मणिबंध से निकलकर सीधी रेखा शनि पर्वत पर पहुंचती है उन्हें धन का लाभ अपने आप अचानक ही मिलता रहता है।

हस्तरेखा

अगर आपकी हथेली में त्रिकोण का चिन्ह बन रहा है तो यह धन रेखा होती है। ऐसी रेखा होने का मतलब है कि आप एक नहीं कई स्रोतों से धन कमाएंगे।

अंगूठे के पास से निकलकर कोई रेखा बुध पर्वत यानी छोटी उंगली की जड़ तक पहुंचे तो इसका मतलब है कि आप अपने परिवार के सदस्यों से पैतृक संपत्ति से या किसी स्त्री के सहयोग से धन प्राप्त कर सकते हैं। आपकी हथेली में भाग्य रेखा से निकलकर एक रेखा सूर्य पर्वत पर पहुंच रही है तो आप आर्थिक मामलों में भाग्यशाली होंगे। ऐसे लोग सामाजिक क्षेत्र में प्रतिष्ठित होते हैं।

अंगूठे से नीचे से रेखा निकलकर शनि पर्वत तक पहुंच रही है तो आपको व्यवसाय के बारे में सोचना चाहिए। ऐसे व्यक्ति व्यवसाय में खूब सफल होते हैं और इनकी हथेली में यह रेखा धन रेखा का काम करती है।

प्रियंका जैन
9769994439

और भी बहुत कुछ कहती है आपकी हस्तरेखा आप भी अपने जीवन से जुड़ा हुआ किसी भी प्रकार की जानकारी समाधान उपाय विधि प्रयोग या हस्तरेखा का पूर्ण विश्लेषण प्राप्त करना चाहते हैं तो संपर्क करें।

28 साल पुराना केस सुलझा

सुप्रीम कोर्ट में पेंडिंग था मामला

एजेंसी । रांची

मध्यस्थता के जरिए मुआवजे से जुड़ा 28 साल पुराना मामला आखिरकार सुलझ गया। रांची सिविल कोर्ट के डीएलएसए (जिला विधिक सेवा प्राधिकार) ऑफिस स्थित मध्यस्थता केंद्र में दोनों पक्षों ने आपसी सहमति जतायी। पीड़ित पक्ष को मुआवजा (1 लाख रुपए) देने के साथ ही सुप्रीम कोर्ट में लंबित केस का निबटारा हो गया। 1996 में ट्रक और कार की टक्कर में पीड़िता प्रमिला देवी के पति का निधन हो गया था। इस मामले में आरोपी ने निचली अदालत के आदेश को हाईकोर्ट के बाद सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी।

सुप्रीम कोर्ट में लंबित मामले में हुआ समझौता

झारखंड हाईकोर्ट के न्यायाधीश सह झालसा के कार्यपालक अध्यक्ष सुजीत नारायण प्रसाद के दिशा-निर्देश एवं रांची के न्यायायुक्त सह डालसा के अध्यक्ष मार्गदर्शन में 26 जून को सुप्रीम कोर्ट में लंबित मामले में सुलह हुआ। उच्चतम न्यायालय (सुप्रीम कोर्ट) में लंबित वाद संख्या SLP(Crl) 26658/2019 में प्रथम पक्ष कन्हाई साहू एवं द्वितीय पक्ष प्रमिला देवी, शिशुपाल शर्मा एवं दुर्गा कुमारी के बीच अधिवक्ता सह मध्यस्थ मनीषा रानी एवं रामनारायण साहू के जरिए समझौता हुआ। सुप्रीम कोर्ट में 29 जुलाई से 3 अगस्त तक विशेष लोक अदालत लगायी जाएगी।

1996 में सड़क हादसे में हो गयी थी मौत

वर्ष 1996 में ट्रक और कार की टक्कर में प्रमिला देवी के पति का निधन हो गया था। उस समय उनके बच्चे काफी छोटे थे। प्रमिला देवी द्वारा एमएसीटी लोहरदगा में मुआवजा (कंपनसेशन) वाद संख्या 180/1996 दाखिल की गयी थी। इस मामले में वर्ष 2005 में आदेश आया। इसमें वाहन मालिक कन्हाई साहू द्वारा प्रमिला देवी एवं उनके बच्चों को कंपनसेशन देने का आदेश हुआ। इसके विरोध में कन्हाई साहू ने उच्च न्यायालय में मिसलेनियस अपील संख्या 161/2005 दाखिल की। सुनवाई के बाद हाईकोर्ट ने निचली अदालत के आदेश को बरकरार रखा। इसके विरोध में कन्हाई साहू ने उच्चतम न्यायालय में वाद प्रस्तुत किया।

कई बैठकों के बाद सुलझा 28 साल पुराना मामला

रांची सिविल कोर्ट के जिला विधिक सेवा प्राधिकार (डीएलएसए) के मध्यस्थता केंद्र में दोनों पक्षों के बीच कई बैठकें हुईं। मध्यस्थों के सहयोग से दोनों पक्षों के बीच सुलह हुआ। कन्हाई साहू द्वारा प्रमिला देवी एवं उनके बच्चों को मुआवजा की राशि दी गयी। दोनों पक्षों ने सहमति जतायी कि वे भविष्य में किसी भी वाद को लेकर लड़ना नहीं चाहते हैं। इस प्रकार 28 वर्ष पुराना वाद सुलझ गया। सुलह होने पर पीओ एमएसीटी मनीष, कुटुम्ब न्यायालय-2 के अतिरिक्त प्रधान न्यायाधीश राजेश कुमार सिंह एवं डालसा के प्रभारी सचिव राकेश रंजन ने दोनों पक्षों को बधाई दी।

खबर संक्षेप

15 लाख के अवैध लॉटरी टिकट के साथ पांच गिरफ्तार

गिरिडीह। गिरिडीह पुलिस ने अवैध लॉटरी का टिकट बेचने वाले धंधेबाजों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। एसपी दीपक कुमार शर्मा को मिली गुप्त सूचना के आधार पर नगर थाना प्रभारी शैलेश प्रसाद और मुफस्सिल थाना प्रभारी श्याम किशोर प्रसाद के नेतृत्व में टीम ने नगर थाना क्षेत्र के पंजाबी मोहल्ले के एक मकान में छापेमारी की। पुलिस ने 15 लाख रुपए के अवैध लॉटरी टिकट जब्त करते हुए पांच युवकों को गिरफ्तार किया है। एसपी दीपक कुमार शर्मा ने बुधवार को अपने कार्यालय में प्रेस वार्ता में ये जानकारी दी। गिरिडीह पुलिस ने जिन युवकों को गिरफ्तार किया है, उनमें अनिल कुमार, अभिषेक कुमार दास, आदित्या दास तीनों नगर थाना क्षेत्र के पंजाबी मोहल्ला निवासी, मुफस्सिल थाना क्षेत्र के झरियागादी का मो इम्तियाज अंसारी और पचंबा थाना क्षेत्र के डांडियाडीह का तालिब खान शामिल है। एसपी ने बताया कि उन्हें लगातार गुप्त सूचना मिल रही थी कि शहरी क्षेत्र में कुछ लोगों द्वारा अवैध रूप से लॉटरी का टिकट बेचा जा रहा है। इसी सूचना के बाद नगर और मुफस्सिल थाना प्रभारी को छापेमारी का निर्देश दिया गया। दोनों थाना प्रभारियों के नेतृत्व में टीम ने छापेमारी कर करीब 15 लाख रुपए का लॉटरी टिकट, मोबाइल समेत अन्य दस्तावेज बरामद किए। बहुत जल्द इस धंधे से जुड़े अन्य लोगों को भी गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा।

सरायकेला में जंगली हाथियों का उत्पात

सरायकेला। सरायकेला-खरसावां जिले के चांडिल अनुमंडल अंतर्गत कुकुडु व नीमड़ीह प्रखंड में इन दिनों जंगली हाथियों ने उत्पात मचा रखा है। शाम होते ही 10 से 12 हाथियों का झुंड विभिन्न गांवों में घुस जाते हैं और लोगों की जानमाल को भारी नुकसान पहुंचाते हैं। कुछ ही ऐसे ही घटना मंगलवार देर रात देखने को मिली जहां कुकुडु प्रखंड के कुमारी गांव में घुसकर जंगली हाथियों के झुंड ने धावा बोल दिया। सबसे पहले एक हाथी ने गांव स्थित एक बिजली के पोल को धक्का देकर गिरा दिया। पोल गिरने की वजह से 6 घरों में शॉर्ट सर्किट के कारण आग लग गयी। इसके अलावा दो कच्चे मकान को भी धवस्त कर दिया। घटना के वक्त उन घरों में रहने वाले लोग हाथियों के डर से गांव के ही स्कूल में सोये हुए थे। उन्हें पहले से ही आशंका थी कि हाथी गांव में कभी हमला कर सकते हैं। ग्रामीणों ने इस संबंध में बताया कि शॉर्ट-सर्किट होने की वजह उन घरों आग लगी। पुआल का घर होने की वजह से आग ने घर को बहुत जल्दी चपेट में ले लिया। जिससे मकान पूरी तरह राख जलकर राख हो गया।

योगी सरकार के मंत्री का लेटर पैड बनाकर धोखाधड़ी की कोशिश

स्कूल प्रबंधक पिता-पुत्र फंसे

एजेंसी । बलिया

योगी सरकार में परिवहन राज्य मंत्री दयाशंकर सिंह के नाम का फर्जी लेटर पैड बनवाकर बलिया में धोखाधड़ी की कोशिश की गई है। इसका पता चलते ही पुलिस ने एक इंटर कॉलेज के प्रबंधक और उसके बेटे के खिलाफ मामला दर्ज किया है। लेटर को जिला विद्यालय निरीक्षक को भेजा गया था। लेटर एक विद्यालय पर कब्जे की कोशिश के तहत बनाने का आरोप लगा है। परिवहन मंत्री भी पूरे मामले से अवाक हैं। उन्होंने लेटर पैड अपना होने या उस पर हस्ताक्षर से साफ मना किया है। पुलिस पिता-पुत्र के खिलाफ केस दर्ज कर आगे की कार्रवाई में जुटी है। अपर पुलिस अधीक्षक दुर्गा प्रसाद तिवारी ने बुधवार को बताया कि आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर जांच की जा रही है।

मामला दर्ज, जांच जारी

पुलिस के अनुसार, जिले के हल्दी थाना क्षेत्र के दोपही गांव निवासी शत्रुघ्न पांडेय की तहरीर पर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नीरूपुर के प्रबंधक महेश प्रताप तिवारी और उनके बेटे रवि तिवारी के खिलाफ बलिया शहर कोतवाली में भारतीय दंड संहिता की धारा 419, 420 (धोखाधड़ी), 467, 468 और 471 (फर्जी तरीके से दस्तावेज तैयार करना और दस्तावेजों में हेराफेरी) के तहत मामला दर्ज किया गया है। अधिकारियों ने बताया कि शत्रुघ्न पांडेय ने तहरीर में आरोप लगाया है कि पिता-पुत्र ने परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह का फर्जी लेटर पैड बनवाकर और कूट रचित हस्ताक्षर कर एक पत्र जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय में भेजा है। इस पत्र को व्हाट्सएप के जरिए कार्यालय के वरिष्ठ बाबू को भी भेजने की बात कही जा रही है। वहीं, मंत्री सिंह ने कहा कि उन्होंने इस तरह का कोई पत्र प्रेषित नहीं किया और महेश तथा उनके बेटे रवि ने संस्था पर कब्जा करने की नीयत से इस तरह का फर्जीवाड़ा किया। पुलिस के अनुसार, शत्रुघ्न पांडेय ने तहरीर में स्वयं को उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, नीरूपुर को संचालित करने वाली संस्था शिक्षा परिषद का उप मंत्री/उप प्रबंधक करार दिया है।

यूपी के 40 जिलों में बनेंगे 5 हजार स्वास्थ्य उपकेंद्र

योगी सरकार ने डीएम से मांगा प्रस्ताव

एजेंसी । लखनऊ

स्वास्थ्य सेवाओं को गांव-देहात तक पहुंचाने के लिए बरेली समेत 40 जिलों में 5000 स्वास्थ्य उपकेंद्र स्थापित किए जाएंगे। शासन ने इसके लिए इन जिलों के जिलाधिकारी और मुख्य चिकित्सा अधिकारी को पत्र भेजा है। उनसे स्वास्थ्य उपकेंद्र के लिए प्रस्ताव मांगा है। जगह तय होने के बाद जल्द ही स्वास्थ्य उपकेंद्र स्थापित करने की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। चुनाव आचार संहिता हटने के बाद अब नए कार्य तेजी से शुरू करने की कवायद हो रही है। इसी क्रम में शासन ने बरेली, पीलीभीत, शाहजहांपुर समेत प्रदेश के 40 जिलों में नए स्वास्थ्य उपकेंद्र बनाने की प्रक्रिया तेज कर दी है। शासन की तरफ से इन सभी जिलों के जिलाधिकारी और सीएमओ को पत्र भेजा गया है। उनसे स्वास्थ्य उपकेंद्र के लिए जगह तय करने को कहा गया है। स्वास्थ्य उप केंद्र के लिए जगह का निर्धारण वहां की जनसंख्या के अनुसार किया जाएगा। जिस इलाके में जनसंख्या बढ़ी है, वहां जरूर को देखते हुए स्वास्थ्य उपकेंद्र खोलने का प्रस्ताव तैयार किया जाएगा। यह प्रस्ताव शासन को भेजा जाएगा।

स्वास्थ्यकर्मियों की होगी तैनाती

40 जिलों में 5000 स्वास्थ्य उपकेंद्र बनाए जाएंगे। यहां स्वास्थ्यकर्मियों की तैनाती होगी। स्वास्थ्य उपकेंद्र खुलने के बाद आसपास के इलाके के लोगों को चिकित्सा सेवा मिलने में सहूलियत होगी। सीएमओ डॉक्टर विश्राम सिंह ने बताया कि जल्द ही ऐसे इलाके में स्वास्थ्य उपकेंद्र खोलने के लिए प्रस्ताव बनाया जाएगा जहां जनसंख्या अधिक है और नए हेल्थ सबसेंटर की जरूरत है।

इन जिलों में बनेंगे स्वास्थ्य उपकेंद्र

बरेली के साथ ही पीलीभीत, शाहजहांपुर, आगरा, फिरोजाबाद, प्रतापगढ़, फतेहपुर, प्रयागराज, ललितपुर, चित्रकूट, बाराबंकी, गोण्डा, बलरामपुर, श्रावस्ती, बलिया, मऊ, गोरखपुर, देवरिया, कुशीनगर, सिद्धार्थनगर बस्ती, सन्तकबीरनगर, कानपुर देहात, इटावा, औरैया, रायबरेली, सीतापुर, उन्नाव, हरदोई, गाजियाबाद, बुलन्दशहर, बिजनौर, मुरादाबाद, अमरोहा, रामपुर, सोनुरुद्र, भदोही, वाराणासी, चन्दौली एवं गाजीपुर में स्वास्थ्य उपकेंद्र बनेंगे।

कुवैत अग्निकांड

कालू खान का शव 14 दिन बाद पहुंचा दरभंगा

एजेंसी । दरभंगा

बिहार के दरभंगा जिले के नैनाघाट गांव के रहने वाले कालू खान की भी कुवैत अग्निकांड में मौत हो गई थी। मौत के 14 दिन बाद उनका शव घर पहुंचा। शव पहुंचते ही सैकड़ों ग्रामीण उनके घर पहुंच गए और घर में एक बार फिर कोहराम मच गया। कालू खान की जुलाई में शादी होनी थी और वह निकाह के लिए घर आने वाले थे। लेकिन उससे पहले ही कालू का जनाजा आ गया।

इससे पहले 2022 में घर आया था कालू

कालू अपने तीन भाइयों में मझला भाई था। उसकी तीन बहनें थीं। एक बहन की पहले ही मौत हो चुकी थी, और वह उसके बेटे की देखभाल करता था। घर में कमाने वाला कालू ही था, जो परिवार का भरण-पोषण करता था। वह अगस्त 2022 में आखिरी बार गांव आया था और कुछ दिन गांव में रहने के बाद वापस कुवैत चला गया था। उसके पिता इस्लाम की भी 2011 में मौत हो गई थी। कालू काफी समय से कुवैत में रहकर काम कर रहा था। वह वहां एक सुपरमार्केट में सेल्समैन का काम करता था। ग्रामीण पप्पू खान ने कहा कि मोदी सरकार का दूतावास पूरी तरह से फेल नजर आ रहा है। इतनी बड़ी घटना हो जाती है और 14 दिन बाद मृतक का शव उसके पैतृक गांव नैनाघाट पहुंचता है।

व्यापार जगत

माझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड को मिला नवरत्न का दर्जा

एजेंसी । मुंबई

माझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (एमडीएल), भारत के प्रमुख युद्धपोत और पनडुब्बी निर्माता को वित्त मंत्रालय, भारत सरकार ने 25 जून, 2024 को नवरत्न श्रेणी प्रदान की। एमडीएल अब देश में 18वां नवरत्न सीपीएसई है। कंपनी ने वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए समेकित वार्षिक टर्नओवर रु.9467 करोड़ और शुद्ध लाभ रु.1845 करोड़ को दर्ज किया है। एमडीएल को मिनिरत्न-I का दर्जा 2006 में प्राप्त हुआ था। एमडीएल के पास रक्षा मंत्रालय के अंतर्गत सार्वजनिक उपक्रम, गोवा शिपयार्ड लिमिटेड की इक्विटि शेअर पूंजी का 47.21% भी है। नवरत्न का दर्जा मिलने के बाद एमडीएल देश के रक्षा परिदृश्य में और अधिक महत्वपूर्ण भूमिका निभाने में एवं आने वाले वर्षों में इस क्षेत्र की वृद्धि और विकास करने में प्रतिबद्ध है। एमडीएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) ने कहा, 'नवरत्न का दर्जा मिलना एमडीएल की समृद्ध विरासत और उत्कृष्टता के प्रति अटूट प्रतिबद्धता का प्रमाण है।'

नवरत्न दर्जे का क्या फायदा

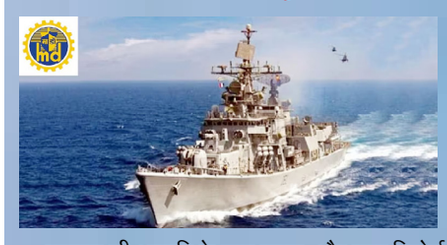

माना जा रहा है कि नवरत्न का दर्जा मिल जाने के बाद मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स कंपनी को अब कैपिटल एक्सपेंडिचर, अपने ज्वाइंट वेंचर या फिर सब्सिडी कंपनियों में और अधिक निवेश, विदेश में अपनी सहायक कंपनियां बनाने में छूट, 1000 करोड रुपए के प्रोजेक्ट पर बिना सरकार की अनुमति के काम करना, और हुमन रिसोर्स मैनेजमेंट से संबंधित मुद्दों पर और अधिक ग्रांट मिलेंगे। माना जाता है कि जिन भी कंपनियों को नवरत्न का दर्जा दिया जाता है वह कंपनी देश की अर्थव्यवस्था में एक महत्वपूर्ण रोल निभाने वाली होती हैं और यह कंपनियां घरेलू और ग्लोबल लेवल पर मौजूद दूसरी पीएसयू कंपनियों के मुकाबले अधिक प्रतिष्ठा वाली स्थान रखती है।

शेयर में 6% की आई तेजी

पीएसयू डिफेंस कंपनी मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स कंपनी का शेयर बुधवार की कारोबारी सत्र में 6.5 फ़ीसदी की तेजी के साथ अपने 52 वीक के फ्रेश हाई लेवल 4269.75 रुपए के लेवल को टच कर लिया है। असल में इस शेयर में तेजी की वजह कंपनी को मिले नवरत्न के दर्जे को माना जा रहा है।

मजगांव डाक शेयर कंपनी के शेयर प्रदर्शन

मजगांव डाक शेयर कंपनी के शेयर प्रदर्शन की बात करें तो पिछले दो सालों में शेयर ने अपने निवेशक को 1500 फ़ीसदी का रिटर्न बना कर दिया है वहीं पिछले 1 साल में 230 फ़ीसदी का रिटर्न बना कर दिया है अभी तक देखा जाए तो यह शेयर अपने निवेशकों के लिए मुनाफे का सौदा साबित हुआ है।

सेंसेक्स 78,674 और निफ्टी 23,868 के रिकॉर्ड स्तर पर बंद

एजेंसी । मुंबई

मुंबई। शेयर बाजार में 26 जून को लगातार दूसरे दिन ऑल टाइम हाई बनाया है। सेंसेक्स 620 अंक की तेजी के साथ रिकॉर्ड 78,674 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी में भी 147 अंक की तेजी रही। ये 23,868 के रिकॉर्ड स्तर पर बंद हुआ। इससे पहले कारोबार के दौरान सेंसेक्स ने 78,759 और निफ्टी ने 23,889 का स्तर छुआ। वहीं कल यानी 25 जून को भी सेंसेक्स और निफ्टी ने ऑल टाइम हाई बनाया था। आज एनर्जी और बैंकिंग शेयर्स में तेजी देखने को मिली है।

DEE डेवलपमेंट इंजीनियर्स का शेयर 65% चढ़ा

DEE डेवलपमेंट इंजीनियर्स लिमिटेड के शेयर में 65.18% की तेजी रही। ये 132.32 रुपए चढ़कर 335.32 रुपए पर बंद हुआ। इससे पहले इसका शेयर आज 67% प्रीमियम के साथ बाजार में लिस्ट हुआ। NSE पर ये 67% ऊपर 339 रुपए पर लिस्ट हुआ। BSE पर ये 60% से ज्यादा के प्रीमियम 325 रुपए पर लिस्ट हुआ। इसका इशू प्राइस 203 रुपए था। इन दोनों ही कंपनी के IPO 19 से 21 जून तक खुले थे। एकमे फिनट्रेड के शेयर में आज 11.13% की तेजी रही। ये 13.35 रुपए चढ़कर 133.35 रुपए पर बंद हुआ।

एशियाई बाजारों में मिला-जुला कारोबार

एशियाई बाजारों में भी आज तेजी देखने को मिली है। जापान के निक्केई में 1.26% की बढ़त रही। वहीं चीन के शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.76% और हांगकांग के हैंग सेंग में भी 0.09% की तेजी रही। अमेरिकी बाजार में मंगलवार को मिला-जुला कारोबार रहा।

एसबीआई ने बॉन्ड से जुटाए 10,000 करोड़ रुपए

नई दिल्ली। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने बुधवार को अपने पांचवें बुनियादी ढांचा बॉन्ड के जरिये 10,000 करोड़ रुपए जुटाए हैं। सार्वजनिक क्षेत्र के ऋणदाता ने यह राशि 7.36 प्रतिशत की कूपन दर पर जुटाई है। एसबीआई ने कहा, इस निर्गम को निवेशकों से जबर्दस्त प्रतिक्रिया मिली और 19,884 करोड़ रुपए से अधिक की बोलियां प्राप्त हुईं। इसे 5,000 करोड़ रुपए के आधार निर्गम आकार के मुकाबले लगभग चार गुना अधिक अभिदान मिला। निवेशक भविष्य निधि, पेंशन कोष, बीमा कंपनियों, म्यूचुअल फंड, कॉरपोरेट्स आदि से थे।

सिर्फ 12 फीसदी स्पेक्ट्रम के लिए ही मिली बोलियां

नई दिल्ली। मोबाइल फोन के लिए आवाज तथा डेटा सिग्नल ले जाने वाले रेडियो तरंगों की नीलामी दो दिन के भीतर बुधवार को समाप्त हो गई। इसमें सरकार द्वारा प्रस्तावित स्पेक्ट्रम के लिए अनुमानित न्यूनतम मूल्य 96,238 करोड़ रुपए से 12 प्रतिशत से भी कम राशि प्राप्त हुई। मामले से जुड़े सूत्रों ने बताया कि नीलामी में 800 मेगाहट्र्ज से 26 गीगाहट्र्ज के बीच कुल 10 गीगाहट्र्ज स्पेक्ट्रम की पेशकश की गई।

सात प्रतिशत से अधिक की दर से बढ़ेगी अर्थव्यवस्था

एजेंसी । मुंबई

सामान्य से बेहतर मानसून की उम्मीद और अबतक कोई ज्ञात वैश्विक जोखिम नहीं होने के कारण भारत की अर्थव्यवस्था चालू वित्त वर्ष में सात प्रतिशत से अधिक की दर से बढ़ेगी। आर्थिक शोध संस्थान एनसीएईआर ने अपने अनुमान में कहा है कि जीडीपी की वृद्धि दर 7.5 प्रतिशत के आसपास रहेगी।

नेशनल काउंसिल ऑफ एप्लायड इकनॉमिक रिसर्च (एनसीएईआर) ने अपनी मासिक समीक्षा में कहा कि प्रमुख आर्थिक संकेतकों से पता चलता है कि घरेलू अर्थव्यवस्था मजबूत बनी हुई है और सभी एजेंसियों ने चालू वित्त वर्ष के लिए अपने वृद्धि अनुमान में संशोधन किया है। संस्थान की महानिदेशक पूनम गुप्ता ने कहा, चालू वित्त वर्ष के दौरान जीडीपी की वृद्धि दर सात प्रतिशत से अधिक तथा 7.5 प्रतिशत के करीब हो सकती है। यह संभावना पहली तिमाही में देखी गई आर्थिक गतिविधियों में तेजी, निवेश, वृद्धि और व्यापक आर्थिक स्थिरता पर गहन नीतिगत ध्यान और सामान्य मानसून की उम्मीदों पर आधारित है। उन्होंने कहा कि मुद्रास्फीति के चरम पर पहुंचने के साथ ही मौद्रिक नीति को और कड़ा किए जाने की संभावना नहीं है। खाद्य कीमतों पर काबू पाना एक चुनौती है।

रिलायंस रिटेल अब 1 घंटे के अंदर डिलीवर करेगा समान

एजेंसी । मुंबई

रिलायंस रिटेल ने मुंबई और नवी मुंबई के कुछ इलाकों में किराने का सामान और फास्ट मूविंग कंज्यूमर गुड्स (FMCG) की तत्काल डिलीवरी का पायलट प्रोजेक्ट शुरू कर दिया है। कंपनी ने एक घंटे के अंदर ऑर्डर की डिलीवरी करना शुरू कर दिया है। इकोनॉमिक्स टाइम ने अपनी एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी है। जियोमार्ट मोबाइल एप्लिकेशन में फास्ट-डिलीवरी सर्विस के लिए 'हाइपरलोकल डिलीवरी' ऑप्शन दिया गया है। रिलायंस ऑर्डर डिलीवरी के समय को कम करके 30 से 45 मिनट करना चाहती है। हालांकि, कंपनी की ओर से ऑफिशियल तौर पर इस तरह के किसी भी पायलट प्रोजेक्ट के बारे में जानकारी नहीं दी गई है।

अभी करीब 12 घंटे में ऑर्डर डिलीवर करता है रिलायंस रिटेल

इंडस्ट्री के एक अधिकारी के अनुसार, अभी रिलायंस रिटेल दैनिक जरूरतों के ऑर्डर डिलीवर करने के लिए लगभग 12 घंटे का समय लगाता है। वहीं, कुछ ऑर्डर में तीन दिन का भी समय लग सकता है। रिपोर्ट के अनुसार, कंपनी ऑर्डर फुलफिलमेंट प्रोसेस के लिए FYND और Locus जैसे टेक्नोलॉजी प्लेटफार्म का इस्तेमाल कर रही है। इससे पहले कंपनी ने जियोमार्ट एक्सप्रेस ने 90 मिनट में सामान डिलीवरी की सर्विस शुरू की थी, लेकिन इसे एक साल पहले बंद कर दिया है।20

रिलायंस के इस सेक्टर में उतरने से बढ़ेगा कॉम्पिटिशन

टाटा के स्वामित्व वाली बिगबास्केट की ब्लिंकिट, स्विगी इंस्टामार्ट, जेप्टो और बीबी नाउ जैसी क्विक कॉमर्स कंपनियाँ ज्यादातर ऑर्डर 10 मिनट के भीतर डिलीवर कर रही हैं। रिलायंस डिलीवरी की दौड़ में शामिल नहीं होना चाहती क्योंकि इसके लिए डार्क स्टोर की ज्यादा पहुंच बनाने और डिलीवरी कर्मियों के एक बड़े बेड़े को काम पर रखने की जरूरत होगी। इसके बजाय, यह अपने स्टोर नेटवर्क और गोदामों से इन ऑर्डर को पूरा करेगी। रिलायंस के क्विक कॉमर्स में उतरने से इस सेक्टर में कॉम्पिटिशन बढ़ेगा क्योंकि मौजूदा कंपनियां को पूरे देश में उपस्थिति और फाइनेंशियल रिसोर्सेज की कमी का सामना करना पड़ सकता है। जियोमार्ट, रिलायंस रिटेल की ई-टेल फर्म है, जिसकी शुरुआत 2020 में हुई थी। जियोमार्ट प्लेटफॉर्म पर इलेक्ट्रॉनिक्स, फैशन, ब्यूटी और होम डेकोर जैसी कई कैटेगरी के प्रोडक्ट्स मिलते हैं।

अजेय टीम इंडिया का सेमीफाइनल में सामना आज इंग्लैंड से

अंग्रेजों से हिसाब बराबर करने का मौका

एजेंसी । जॉर्जटाउन

टीम इंडिया और इंग्लैंड टी-20 में अपनी शुरुआत फिर वहीं से करेंगे जहां 19 माह पहले खत्म किया था। वही टूर्नामेंट, वही मुकाबला और वही दिन। बदला है तो सिर्फ देश और स्टेडियम। तब एडिलेड में (10 नवंबर 2022) टी-20 विश्व कप के सेमीफाइनल में अंग्रेजों ने भारत को दस विकेट से पटखनी देकर उसका सफर खत्म कर दिया था। फिर चैंपियन भी बने थे। गुरुवार को रोहित सेना जब फिर सेमीफाइनल में इंग्लैंड के सामने होगी तो वह उस हार का हिसाब बराबर करना चाहेगी। साथ ही आईसीसी टूर्नामेंट में लंबे समय से चले आ रहे नॉकआउट के हार के तिलिस्म को भी तोड़ने की कोशिश करेगी। दोनों ने पिछले टी-20 विश्व कप के बाद से फटाफट क्रिकेट में कोई मुकाबला नहीं खेला है।

आमने-सामने

कुल मैच :	23
भारत जीता :	12
इंग्लैंड जीता :	11

अजेय है भारतीय टीम

भारतीय टीम टूर्नामेंट में अब तक अजेय है। उसने सात में से छह मुकाबले जीते हैं जबकि एक बारिश में धुला। प्रोविडेंस स्टेडियम में संभावित परिस्थितियों को देखते हुए कागजों पर भारतीय टीम मजबूत नजर आती है। स्पिनरों ने शुरुआती मैच से ही यहां गेंदबाजी का आनंद लिया है।

पिछले 11 साल में आईसीसी टूर्नामेंट के नॉकआउट में भारत का प्रदर्शन

टी-20 विश्व कप	
2014	श्रीलंका से फाइनल हारे
2016	वेस्टइंडीज से सेमीफाइनल हारे
2022	इंग्लैंड से अंतिम चार में मात दी
2024	सेमीफाइनल अभी खेलना है
वनडे विश्व कप	
2019	न्यूजीलैंड ने सेमीफाइनल में पटका
2022	ऑस्ट्रेलिया ने फाइनल में मात दी
चैंपियंस ट्रॉफी	
2017	पाक ने फाइनल में हराया
विश्व टेस्ट चैंपियनशिप	
2021	न्यूजीलैंड ने फाइनल में हराया
2023	ऑस्ट्रेलिया ने फाइनल में धोया

तो अब भारत की बारी

दोनों ने विश्व कप में चार मुकाबले खेले हैं और दो-दो बार जीते हैं।
वैसे देखे तो 2007 में पहला मुकाबला भारत ने जीता। वहीं 2009 में अंग्रेजों ने बाजी मारी। फिर 2012 में टीम इंडिया जीती। तो 2022 में इंग्लैंड फिर भारत पर भारी पड़ा। अब संयोग से जीत दर्ज करने की बारी वैसे भी भारत की है।

बटलर-साल्ट से बचकर रहना होगा

इंग्लैंड का अभियान उतार-चढ़ाव भरा रहा। वे सुपर आठ में दक्षिण अफ्रीका से हार गए लेकिन फिर उन्होंने चीजें बदल दी। कप्तान बटलर ने इंग्लैंड के अंतिम सुपर आठ मैच में रन बनाए। भारतीय आक्रमण से परिचित होने के कारण वह मैच का रुख बदलने वाली पारी खेलने के लिए अच्छी स्थिति में हैं। उनके जोड़ीदार सॉल्ट बहुत जल्दी खेल को विरोधी टीम से दूर ले जा सकते हैं। भारत को उन्हें पावरप्ले में आउट करना होगा। बेयरस्टो और मोईन से अधिक रन बनाने की उम्मीद है। मोईन की ऑफ स्पिन भारत के बाएं हाथ के बल्लेबाजों के खिलाफ उपयोगी हो सकती है। लेग और ऑफ स्पिन दोनों करने वाले लियाम लिविंगस्टोन भी अपने कोटे के पूरे ओवर फेंक सकते हैं जैसा कि उन्होंने अमेरिका के खिलाफ किया था। आदिल के चार ओवर भी इस महत्वपूर्ण मुकाबले में निर्णायक साबित हो सकते हैं।

कोहली बढ़ा रहे चिंता

भारत ने सुपर आठ में शानदार प्रदर्शन किया है। कोहली का खामोश बल्ला टीम की चिंता बढ़ा रहा है। वह 11 की औसत से मात्र 66 रन बना पाए हैं। वह अब बड़ी पारी खेलकर टीम की जीत के योगदान देना चाहेंगे। वहीं उनके सलामी जोड़ीदार और कप्तान रोहित ने निडर क्रिकेट के मामले में अन्य बल्लेबाजों के लिए मानक स्थापित किया है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 92 रन की धमाकेदार पारी खेलकर जीत में अहम योगदान दिया। रोहित और कोहली दोनों के लिए यह शायद भारत की जर्सी में टी-20 विश्व खिताब जीतने का आखिरी मौका है। दोनों अपनी छाप छोड़ने के लिए बेताब होंगे।

सूर्य और दुबे से भी उम्मीद

पिछले मैच में नाकाम रहे सूर्यकुमार से भी टीम को बड़ी पारी की उम्मीद होगी। दुबे ने मध्यक्रम में उम्मीद के मुताबिक बल्लेबाजी नहीं की है। यह देखना दिलचस्प होगा कि वह चतुर लेग स्पिनर आदिल के खिलाफ कैसा प्रदर्शन करते हैं। भारत के इस मैच में बिना किसी बदलाव के उतरने की संभावना है। तुरुप का इक्का साबित हुए कुलदीप जडेजा, अक्षर और कुलदीप की स्पिन तिकड़ी को ही मौका देने की उम्मीद है। कुलदीप सुपर आठ में टीम के लिए तुरुप का इक्का साबित हुए हैं। बुमराह शानदार गेंदबाजी कर रहे हैं। इंग्लैंड को उनके खिलाफ रन बनाने के लिए कुछ खास करना होगा। हार्दिक ने अपने ऑलराउंड प्रदर्शन से प्रभावित किया है। टीम को उनसे इसी तरह के प्रदर्शन को जारी रखने की उम्मीद होगी।

11 साल से ट्रॉफी का इंतजार

2013 में चैंपियंस ट्रॉफी जीतने के बाद टीम इंडिया ने आईसीसी के दस टूर्नामेंट खेले। इसमें पांच के फाइनल में और तीन के सेमीफाइनल में उसे हार मिली। टीम फिर सेमीफाइनल में है। टीम को 11 साल से आईसीसी ट्रॉफी का इंतजार है।

अफगानों के फाइनल की राह में दक्षिण अफ्रीका

नंबर गेम

2 मैच दोनों ने खेले हैं जिसमें दक्षिण अफ्रीका ने अफगानिस्तान को मात दी है

8 साल बाद दोनों टी-20 में आमने-सामने होंगे। पिछली बार 2016 में मुंबई में दक्षिण अफ्रीका ने 37 रन से अफगानों को हराया था

शीर्ष पर अफगान

- 281 सर्वाधिक रन टूर्नामेंट में अफगानिस्तान के गुरबाज ने 40.14 की औसत से बनाए हैं
- 16 सबसे ज्यादा विकेट फारूकी ने झटके हैं। वह एक और विकेट लेते ही एक सत्र में सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज बन जाएंगे

एजेंसी । तारोबा

अफगानिस्तान के कप्तान राशिद खान कह चुके हैं कि उनके देश के लिए क्रिकेट ही खुशियों का जरिए है। पहली बार किसी विश्व कप के सेमीफाइनल में पहुंचने के बाद उन्होंने कहा था ये सिर्फ शुरुआत है, मंजिल बाकी है। जीत से कम हमें कुछ मंजूर नहीं है। टीम सुपर आठ और अंतिम चार में पहुंचकर पहले ही अफगान क्रिकेट का सुनहरा पन्ना लिख चुकी है। अब गुरुवार को दक्षिण अफ्रीका को हराकर फाइनल में पहुंचकर एक और नग उसमें जड़ने की कोशिश करेगी। टीम अपने देश में युद्ध की तबाही से ऊपर उठी और संघर्ष के जज्बे की बदौलत 2021 के चैंपियन ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश और न्यूजीलैंड को बाहर कर यहां तक का सफर तय किया है। उसके इस यादगार सफर के कई नायक रहे हैं। इनमें गेंदबाजी में राशिद, तेज गेंदबाज फजलहक फारूकी और नवीन-उल-हक, गुलबदिन नायब और मोहम्मद नबी ने योगदान दिया तो बल्लेबाजी में गुरबाज और इब्राहिम ने दम दिखाया।

चोकर्स का ठप्पा हटाने की चुनौती

टूर्नामेंट के सभी सात मैच जीतकर दक्षिण अफ्रीकी टीम अब अजेय है। उसके लिए सबसे बड़ी चोकर्स का धब्बा हटाने की है। शुरू में दमदार खेल दिखाने वाली अफ्रीकी टीम बड़े मौकों पर दबाव के आगे बुरी तरह बिखर जाती है। टीम पिछले 33 साल (1991 में विश्व क्रिकेट में पुन: प्रवेश के बाद) से इस ठप्पे को हटा नहीं पाई है। क्रिकेट के तीनों प्रारूपों में कई बड़े रिकॉर्ड बना चुकी दक्षिण अफ्रीकी टीम कभी विश्व कप (टी-20 और वनडे) के फाइनल में नहीं पहुंची। टीम 14वीं बार सेमीफाइनल खेलने जा रही है। पिछले 13 बार नाकाम रही है। अब देखना होगा इस बार अपनी किस्मत बदल पाती है या नहीं।

कपिल देव भारतीय पेशेवर गोल्फ टूर के अध्यक्ष बने

नई दिल्ली। भारत की 1983 विश्व कप विजेता क्रिकेट टीम के कप्तान रहे कपिल देव ने भारतीय पेशेवर गोल्फ टूर (पीजीटीआई) के अध्यक्ष का पद संभाल लिया है। यह पद इस प्रतिष्ठित पूर्व क्रिकेटर के लिए एक नई शुरुआत है जिन्होंने एमेच्योर गोल्फ खिलाड़ी के रूप में भी शानदार प्रदर्शन किया है। 65 वर्षीय कपिल पहले से ही उपाध्यक्ष के रूप में पीजीटीआई बोर्ड के सदस्य थे। उन्हें सर्वसम्मति से चुना गया।

पूर्व बल्लेबाज मोहम्मद वसीम पाक महिला टीम के कोच

कराची। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने मध्यक्रम के पूर्व बल्लेबाज और मुख्य चयनकर्ता मुहम्मद वसीम को जुलाई में होने वाले एशिया कप के लिए महिला टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया है। पीसीबी अध्यक्ष के रूप में रमीज राजा के कार्यकाल के दौरान मुख्य चयनकर्ता का पद संभालने वाले वसीम का साथ पूर्व टेस्ट गेंदबाज जुनैद खान और अब्दुल रहमान देंगे जिन्हें क्रमशः गेंदबाजी और सहायक कोच नियुक्त किया गया है।

पाकिस्तान को श्रीलंका के दांबुला में 19 जुलाई से शुरू होने वाले एशिया कप के लिए भारत के ग्रुप में जगह मिली है। भारत, पाकिस्तान और मेजबान श्रीलंका के अलावा बांग्लादेश, नेपाल, भूटान, मलेशिया और थाईलैंड टूर्नामेंट में चुनौती पेश करेंगे।

'एक्सीडेंट ऑर कांस्पिरेसी गोधरा' का ट्रेलर आउट

रणवीर शौरी और हितु कनोडिया की फ़िल्म 'एक्सीडेंट ऑर कांस्पिरेसी गोधरा' 12 जुलाई को सिनेमाघरों में होगी रिलीज़

साबरमती ट्रेन दुर्घटना पर लंबे समय से चली आ रही कहानियों और धारणाओं को चुनौती देने वाली फ़िल्म ₹एक्सीडेंट ऑर कांस्पिरेसी गोधरा₹ का ट्रेलर रिलीज हो गया हैं फ़िल्म के मेकर्स का दावा है कि ₹एक्सीडेंट ऑर कांस्पिरेसी गोधरा₹ साबरमती ट्रेन दुर्घटना के पीछे की सच्चाई देश के सामने उजागर करेगी । गुजरात के गोधरा के २२ साल पहले हुए इस अमानवीय घटना के पीछे की साजिश की परतों का पता लगायेंगी।

अब दर्शक साबरमती ट्रेन दुर्घटना की सच्चाई को पर्दे पर देख पाएंगे। इस फ़िल्म के ज़रिए हम कारसेवकों को श्रद्धांजलि देते हैं। आख़िर निर्दोष बच्चों, औरतों और वृद्ध लोगों को ट्रेन में क्यों जिंदा जला दिया गया। आखिर क्यों दशकों तक अदालत में यह बहस होती रही है कि साबरमती ट्रेन दुर्घटना थी या फिर साज़िश थी इस सब के पीछे क्या सच्चाई थी कौन लोग थे।

बी.जे. पुरोहित, निर्माता

साबरमती ट्रेन दुर्घटना से पर्दा उठाएगी यह फ़िल्म

गोधरा के निर्देशक के रूप में मेरा लक्ष्य हमेशा घटना के पीछे की सच्चाई पर सामने लाना हैं। इस फ़िल्म के माध्यम से मैंने दर्शकों के सामने गोधरा कांड की जटिलता और गहराई को बताने का प्रयास किया है। फ़िल्म किसी जाति संप्रदाय को टारगेट नहीं कर रही हैं फ़िल्म एक ऐसी घटना की परतों को खोल रही हैं जिसे अपने अपने फायदे के लिए इस्तेमाल किया गया हैं और आज तक लोगो को गुमराह रखा गया।

एम.के. शिवाक्ष, निर्देशक

ट्रेलर का पहला हिस्सा दर्दनाक

ट्रेलर की शुरुआत में ट्रेन पर एक बेहद भयावह हमले से होती हैं आग लपटों के बीच जलते निर्दोष लोगो की चीखो के धीमे पड़ते शोर के बीच में एडवोकेट के किरदार में रणवीर शौरी कहते हैं साबरमती ट्रेन को जलाया नहीं गया बल्कि उनको जलने दिया गया। बाहर एक महिला मीडिया को इंटरव्यू में सवाल करती ₹हजारों लोगों का मर्डर, गैंगरेप यह साजिश नहीं हैं तो और क्या हैं'। रणवीर शौरी अपनी दलील को पूरे ज़ोर के साथ रखते हुए कहते हैं की ₹यह प्रशासन सिर्फ़ एक कहानी बना रहा हैं अपनी ग़ैर जिम्मेदारी को छुपाने के लिए। जब अटैक हुआ तो आरपीएफ कहा था गलती से जब उस ट्रेन में आग लग गई तो फायर ब्रिगेड कहाँ था योर ऑनर साबरमती ट्रेन की घटना कोई साजिश नहीं थी । इस दलील के जवाब में मनोज जोशी कहते हैं की साबरमती ट्रेन एक्सीडेंट एक साजिश थी । उनकी कांपती आवाज चलती ट्रेन के शोर में गुम हो जाती हैं ट्रेलर के इस हिस्से में बीच में एक सवाल उठता है की आख़िर साबरमती ट्रेन पर ही हमला क्यों किया गया ।

इमोशनल है ट्रेलर का दूसरा हिस्सा

ट्रेलर के दूसरे हिस्से में बहुत इमोशनल दृश्य हैं पत्नी को करते ट्रेन पर पहुँचाने आये पति को देखकर अभिनेत्री देनिशा घूमरा कहती हैं ₹विदा तो ऐसे कर रहे हो जैसे हमेशा के लिए जा रही हूँ । मासूम और निर्दोष लोग आग की लपटों में जलते देखे जा सकते हैं ट्रेलर के अंत में लोकप्रिय गुजराती एक्टर हितु कनोडिया का किरदार एक सवाल करता हैं लोग मारे गये किसी एक का नाम भी जानते हैं। फ़िल्म का ट्रेलर एक बहुत बड़े सवाल के साथ ख़त्म होता हैं ।

12 जुलाई को देशभर के सिनेमाघरों में प्रदर्शित

'एक्सीडेंट ऑर कांस्पिरेसी गोधरा' एक ऐसी फिल्म है जो भयावह ट्रेन हमले की गहराई से जांच करती है, यह फिल्म दर्शकों को उस दुखद अतीत पर सोचने के लिए मजबूर करती हैं जिन्हें आज तक न्याय नहीं मिला, टीज़र आते ही मीडिया में चर्चा शुरू हो गई थी। सेंसर को लेकर कई प्रकार की बाधाओं की वजह से भी फ़िल्म सुर्खियों में रही है। सेंसर बोर्ड ने कई स्टेज पर परीक्षण करने के लिए निर्माताओं को लंबा इंतज़ार करना पड़ा। फ़िल्म को सेंसर सर्टिफिकेट मिल गया है और 12 जुलाई को देशभर के सिनेमाघरों में प्रदर्शित होने जा रही है।

आयोग की रिपोर्ट के आधार पर है फ़िल्म

ओम त्रिनेत्र फिल्म्स के बैनर तले निर्मित इस फिल्म में रणवीर शौरी, मनोज जोशी, हितू कनोडिया , डेनिशा घुमरा अक्षिता नामदेव, गणेश यादव और राजीव सुरती जैसे कई कलाकार नज़र आयेंगे । यह फ़िल्म नानावती मेहता आयोग की रिपोर्ट पर आधारित है, जिसे घटना की जांच का काम सौंपा गया था। पहली बार कोई बॉलीवुड फ़िल्म हैं जो एक आयोग की रिपोर्ट के आधार पर एक घटना की सच्चाई दर्शकों के सामने दिखायेगी।

शादी के 9 साल बाद पत्नी आरती से अलग होंगे जयम रवि

साउथ अभिनेता जयम रवि इन दिनों अपनी निजी जिंदगी को लेकर चर्चा में हैं। अफवाहों का बाजार गर्म है कि जयम शादी के 15 साल बाद अपनी पत्नी आरती रवि से तलाक लेने जा रहे हैं।

दोनों ने 2009 में अपने परिवार और करीबी दोस्तों की मौजूदगी में सात फेरे लिए थे। हाल ही में आरती ने जयम संग इंस्टाग्राम से अपनी सारी तस्वीरें डिलीट कर दी हैं, जिसके बाद दोनों की तलाक की अफवाहों को हवा मिल गई है।

आरती ने नहीं हटाया इंस्टाग्राम बायो

अब आरती के इंस्टाग्राम पर सिर्फ उनकी तस्वीरें ही दिख रही हैं। इससे उनके अलग होने की अटकलें तेज हो गई हैं। आरती अपने इंस्टाग्राम बायो में खुद को गर्व से जयम की पत्नी भी बताती हैं। आरती ने इंस्टाग्राम बायो में लिखा है कि मैं प्रभावित नहीं करती। मैं प्रेरित करने की उम्मीद करती हूं। जयम रवि को साथ शादी की है। फिलहाल आरती और जयम ने अभी तक इन अफवाहों को लेकर कोई बयान जारी नहीं किया है।

'बेबी जॉन' को मिली रिलीज तारीख

वरुण धवन को आखिरी बार फिल्म 'बवाल' में देखा गया था, जिसमें उनके काम की खूब तारीफ हुई। यह फिल्म बीते साल 21 जुलाई को अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज हुई थी। अब वरुण फिल्म 'बेबी जॉन' में नजर आएंगे, जिसका दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इसके निर्देशन की कमान एटली ने संभाली है, जिन्होंने बीते साल शाहरुख खान के साथ फिल्म 'जवान' दी थी। अब निर्माताओं ने 'बेबी जॉन' की रिलीज तारीख से पर्दा उठा दिया है।

25 दिसंबर, 2024 को रिलीज होगी फिल्म

'बेबी जॉन' इस साल क्रिसमस (25 दिसंबर) के मौके पर सिनेमाघरों में दस्तक देगी। फिल्म से वरुण की नई झलक सामने आ गई है, जिसमें उनका धांसू अवतार दिख रहा है। एटली ने पोस्टर साझा करते हुए लिखा, 'फिल्म 'बेबी जॉन' 25 दिसंबर को दुनिया भर में रिलीज़ हो रही है। इस साल क्रिसमस और भी मजेदार हो गया है। 'बेबी जॉन' के लिए तैयार हो जाइए।' 'बेबी जॉन' में वामिका गब्बी और कीर्ति सुरेश जैसी अभिनेत्रियां भी नजर आएंगी।

न्यूज ब्रीफ

बिहार में बीच सड़क पत्रकार का मर्डर

मुजफ्फरपुर। बिहार में एकबार फिर कानून व्यवस्था पर सवाल खड़े हुए हैं। मुजफ्फरपुर में अपराधियों ने एक पत्रकार की चाकुओं से गोदकर उनकी हत्या कर दी। यह घटना उनके घर से 500 मीटर की दूरी पर हुई है। फिलहाल पुलिस ने केस दर्ज किया है और मामले की जांच जारी है। उनके शरीर में 15 जगहों पर चाकू से वार किया गया है। शक के आधार पर एक व्यक्ति को हिरासत में लेकर पुलिस पूछताछ कर रही है। मृतक पत्रकार की पहचान शिवशंकर झा के रुप में हुई है और यह घटना मनियारी थाना क्षेत्र की मारीपुर की है। बताया जाता है कि शिवशंकर झा मंगलवार की देर रात अपने घर लौट रहे थे। तभी घात लगाए अपराधियों ने उनपर हमला बोला दिया। अपराधियों ने उनपर चाकु से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। स्थानीय लोगों इस घटना की सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने और पत्रकार को घटनास्थल से उठाकर एसकेएमसीएच पहुंचाया, जहां डाक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद स्थानीय लोगों में आक्रोश है। लोग आपराधियों की गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं।

जमीन के बदले नौकरी घोटाला मामले में लालू के सहयोगी को जमानत

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने बुधवार को राष्ट्रीय जनता दल (RJD) प्रमुख लालू प्रसाद यादव के करीबी अमित कत्याल को चिकित्सा आधार पर छह सप्ताह की अंतरिम जमानत दे दी। वे भारतीय रेलवे के कथित जमीन के बदले नौकरी घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आरोपी हैं और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने उन्हें 11 नवंबर, 2023 को मनी लॉन्ड्रिंग प्रिवेंशन एक्ट (PMLA) के विभिन्न प्रावधानों के तहत गिरफ्तार किया था। अदालत में अंतरिम जमानत याचिका लगाते हुए कत्याल ने तर्क दिया कि बैरिएट्रिक सर्जरी कराने के बाद उन्हें आगे के उपचार और देखभाल की आवश्यकता है, जो कि तिहाड़ जेल में नहीं मिल सकती। इसके बाद अंतरिम जमानत देते हुए जस्टिस धर्मेश शर्मा की अवकाश पीठ ने कहा कि बैरिएट्रिक सर्जरी के बाद उन्हें शारीरिक, मानसिक और मनोवैज्ञानिक रूप से स्वस्थ रहने के लिए उचित आहार की अत्यधिक आवश्यकता है, जबकि कत्याल की आहार संबंधी आवश्यकताएं ऐसी हैं कि जिनकी पूर्ति जेल परिसर में नहीं कराई जा सकती।

200 से ज्यादा बच्चों का एंबुलेंस में जन्म

जम्मू। जम्मू कश्मीर में स्वास्थ्य विभाग की ओर से 100 प्रतिशत सुरक्षित प्रसव और मातृ मृत्युदर में कमी लाने के प्रयास किए जा रहे हैं, लेकिन चिंताजनक पहलु यह भी है कि आज भी माताएं एंबुलेंस में बच्चों को जन्म देने को मजबूर हैं। पिछले चार साल में प्रदेश के बीस जिलों में माताएं आपात 108 एंबुलेंस में 869 (मई 2024 तक) बच्चों को जन्म दे चुकी हैं, यानी हर साल औसतन 200 से अधिक ऐसे मामले हो रहे हैं। ये अधिकांश मामले वे थे, जिन्हें संबंधित चिकित्सा केंद्रों से रेफर करके जिला अस्पतालों में भेजा गया, लेकिन रास्ते में ही प्रसव पीड़ा के कारण उन्हें एंबुलेंस में प्रसव करवाना पड़ा। इनमें सर्वाधिक 200 से अधिक मामले उधमपुर से आए हैं। इसके अलावा जिला डोडा, जम्मू, कठुआ, किश्तवाड़, राजोरी, रामबन और रियासी में भी 50 से अधिक मामलों में एंबुलेंस में प्रसव किए गए हैं।

पहली बार संवैधानिक पद संभालेंगे राहुल गांधी, राजीव-सोनिया के बाद इस पोजिशन पर रहने वाले गांधी परिवार के तीसरे सदस्य

राहुल गांधी बने नेता प्रतिपक्ष

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने विपक्ष के नेता के रूप में मान्यता दी ● कांग्रेस ने मंगलवार देर रात लिया था फैसला

एजेंसी । नई दिल्ली

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी लोकसभा में विपक्ष के नेता होंगे। पार्टी ने मंगलवार (25 जून) को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के आवास पर इंडिया गठबंधन के नेताओं की बैठक के बाद इसकी घोषणा की। इसके बाद कांग्रेस संसदीय बोर्ड की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने प्रोटेम स्पीकर भर्तृहरि माहताब को इस संदर्भ में पत्र लिखा। इसके बाद लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सदन में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को विपक्ष के नेता के रूप में मान्यता दी है। लोकसभा सचिवालय ने इसे लेकर लोकसभा महासचिव उत्पल कुमार सिंह के हस्ताक्षर से 26 जून को एक अधिसूचना भी जारी कर दी, जिसमें कहा गया है कि स्पीकर ने पार्लियामेंट एक्ट,1977 के तहत विपक्ष के नेताओं के वेतन और भत्ते की धारा-2 के संदर्भ में, लोकसभा में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के नेता राहुल गांधी को 9 जून, 2024 से लोकसभा में विपक्ष के नेता के रूप में मान्यता दी है। राहुल अपने 20 साल के पॉलिटिकल करियर में पहली बार कोई संवैधानिक पद संभालेंगे। वे इस पद पर रहने वाले गांधी परिवार के तीसरे सदस्य होंगे। इससे पहले उनके पिता और पूर्व PM राजीव गांधी 1989-90 और मां सोनिया 1999 से 2004 तक इस पद पर रह चुकी हैं।

नेता प्रतिपक्ष बनने के बाद राहुल को कई शक्तियां और अधिकार

- नेता प्रतिपक्ष के रूप में राहुल को कई शक्तियां और अधिकार मिल जाएंगे। वे प्रधानमंत्री के साथ चीफ इलेक्शन कमिश्नर सहित चुनाव आयोग के दो अन्य सदस्यों की नियुक्ति का चयन करने वाले प्रमुख पैनल का हिस्सा होंगे।
- इसके अलावा राहुल लोकपाल, ED-CBI डायरेक्टर, सेंट्रल विजिलेंस कमिश्नर, सेंट्रल इन्फॉर्मेशन कमिश्नर, NHRC प्रमुख को चुनने वाले समितियों के भी सदस्य होंगे। प्रधानमंत्री इन समितियों के अध्यक्ष होते हैं। ऐसा पहली बार ऐसा होगा, जब इन पदों पर नियुक्ति के फैसलों में प्रधानमंत्री मोदी को राहुल गांधी से सहमति लेनी होगी।
- राहुल भारत सरकार के खर्चों की जांच (ऑडिटिंग) करने वाली लोक लेखा समिति के अध्यक्ष भी होंगे। वो सरकार के कामकाज की लगातार समीक्षा भी करेंगे। राहुल दूसरे देशों के राष्ट्रपति या प्रधानमंत्री को भी राष्ट्रीय मुद्दों पर अपना दृष्टिकोण देने के लिए भारत बुला सकते हैं।
- संसद में विपक्षी नेता अधिनियम 1977 के तहत, नेता प्रतिपक्ष का पद कैबिनेट मंत्री के समान होता है। इस पद पर रहने वाले नेता को केंद्रीय मंत्री के समान वेतन, भत्ता और अन्य सुविधाएं मिलती हैं।
- नेता विपक्ष बनने के बाद राहुल को कैबिनेट मंत्री की तरह सरकारी बंगला और सचिवालय में एक दफ्तर मिलेगा। उन्हें मासिक वेतन और दूसरे भत्तों के लिए 3 लाख 30 हजार रुपए मिलेंगे। बतौर सांसद, राहुल को हर महीने 1 लाख रुपए वेतन और 45 हजार रुपए भत्ता मिलता है।
- राहुल को कैबिनेट मंत्री के समान उच्च स्तर की सुरक्षा मिलेगी। इसके अलावा उन्हें मुफ्त हवाई यात्रा, रेल यात्रा, सरकारी गाड़ी और दूसरी सुविधाएं भी मिलेंगी।

PM मोदी के बाद राहुल गांधी ने दिया भाषण

बता दें कि राहुल गांधी बुधवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता के तौर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ नवनिर्वाचित लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को उनके आसन तक भी लेकर गए थे और प्रधानमंत्री मोदी के बाद उन्हें ही भाषण देने का अवसर दिया।

10 साल से खाली था नेता प्रतिपक्ष का पद

लोकसभा में 10 साल से नेता प्रतिपक्ष का पद खाली था। 2014 और 2019 में किसी विपक्षी दल के पास इसके लिए जरूरी न्यूनतम 10% सदस्य नहीं थे। नेता प्रतिपक्ष पद के लिए दावा पेश करने के लिए किसी भी पार्टी को कुल 543 में से 55 सदस्यों का आंकड़ा पार करना होता है। 2024 के चुनाव में कांग्रेस 99 सीटों के साथ सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी बनी है। भाजपा की 240 और NDA की 293 सीटों के मुकाबले इंडिया गठबंधन 232 सीटें जीतने में कामयाब रही। इससे पहले 2019 लोकसभा चुनाव में कांग्रेस सिर्फ 52 सीटें जीती थीं। 2014 के चुनाव में पार्टी सिर्फ 44 सीटों पर जीत हासिल कर सकी थी।

दवा फैक्ट्री में आग से चार लोगों की मौत, 10 घायल

- वर्तिका फार्मास्युटिकल्स प्राइवेट लिमिटेड में हुआ हादसा
- मतृकों में तीन यूपी और जम्मू-कश्मीर का निवासी
- घायलों का जिला अस्पताल में चल रहा उपचार

एजेंसी । जयपुर

राजस्थान के खैरथल-तिजारा जिले के भिवाड़ी क्षेत्र स्थित दवाई फैक्ट्री में आग लगने से चार लोगों की मौत हो गई। मंगलवार रात हुई घटना में 10 लोग घायल भी हुए हैं। मृतकों में तीन यूपी और एक जम्मू-कश्मीर का निवासी है। पुलिस उपाधीक्षक (तिजारा) शिवराज सिंह ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारी ने बताया कि खुशखेड़ा औद्योगिक क्षेत्र स्थित वर्तिका केमिकल्स एंड फार्मास्युटिकल्स प्राइवेट लिमिटेड में मंगलवार शाम साढ़े 6 बजे आग लग गई थी। आग के बाद फैक्ट्री में हुए धमाके से पूरा इलाका दहल गया। सूचना के बाद पुलिस और दमकल टीम मौके पर पहुंचीं। हादसे के वक्त फैक्ट्री में पचास कर्मचारी काम कर रहे थे। फैक्ट्री में इंतजाम ठीक नहीं थे और निकलने का रास्ता संकरा था। फैक्ट्री के अंदर स्पेश कम था। फैक्ट्री के मुख्य द्वार पर भी सामान रखा हुआ था, जिससे मजदूर निकल नहीं पाए। फैक्ट्री में आग लगने से अंदर धुआं भर गया, जिससे कई कर्मचारी बेहोश हो गए।

आग पर काबू

डीएसपी ने कहा कि इस हादसे में 4 लोगों की जलकर मौत हो गई और 10 अन्य घायल हो गए। भिवाड़ी और तिजारा की दमकल टीमों ने करीब डेढ़ घंटे में आग पर काबू पाया। लेकिन, वहां धुआं होने के कारण दमकलकर्मी अंदर नहीं जा सके। सभी घायलों को तुरंत जिला अस्पताल भेजा गया, जहां उनका उपचार जारी है। उन्होंने बताया कि आग बुझने पर एक व्यक्ति का शव बरामद हुआ और तीन शव देर रात बरामद हुए। सभी शवों को मोर्चरी में रखवाया गया है। परिजनों की उपस्थिति में पोस्टमार्टम कराया जाएगा। फैक्ट्री मालिक कमल नयन त्रिपाठी मौके पर नहीं पहुंचे हैं। उनके दिल्ली के एक अस्पताल में भर्ती होने की सूचना मिली है।

इन लोगों की हुई मौत

इस हादसे में उत्तर प्रदेश के 24 वर्षीय विकास पुत्र अभयराज, अमेठी (यूपी) निवासी 22 वर्षीय विशाल पुत्र राजकुमार और मिर्जापुर (यूपी) निवासी अजय पुत्र जटाशंकर की जान गई। वहीं जम्मू कश्मीर निवासी 34 वर्षीय राजकुमार पुत्र बंशीलाल की मौत हुई है। विकास ,अजय और विशाल ऑपरेटर हैं जबकि राजकुमार शिफ्ट इंचार्ज है। घायलों की पहचान नवीन, सज्जन, शैलेष, अवनेश, रंजीत, शमशेर, देवकुमार, दुर्गा पांडे आदि के रूप में हुई है। इन सभी की उम्र 25 से 30 वर्ष के बीच है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। फायर अधिकारी नरेश मीणा ने बताया कि कंपनी में शॉर्टकट से आग लगी थी और शॉर्ट सर्किट के बाद ही ब्लास्ट हुआ था। देर रात तीन लोगों के शव दीवार से चिपके हुए मिले, क्योंकि इस ब्लास्ट में दीवार गिर गई थी। पूरी फैक्ट्री जल चुकी है।

प्रज्ज्वल रेवन्ना को अदालत से मिला एक और झटका

खारिज की गई जमानत याचिका

एजेंसी । बंगलुरु

कर्नाटक की हासन सीट से पूर्व सांसद रहे प्रज्ज्वल रेवन्ना की मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही हैं। अब बंगलूरू की अदालत ने प्रज्ज्वल की जमानत याचिका खारिज कर दी है। बता दें कि प्रज्ज्वल पर कई महिलाओं के यौन शोषण और दुष्कर्म का आरोप है। 33 वर्ष के पूर्व जेडी-एस नेता को विशेष जांच दल (एसआईटी) की हिरासत में रखा गया है।

मंगलवार को दर्ज हुई थी एक और एफआईआर

25 जून को पूर्व जेडी-एस नेता पर एक और एफआईआर दर्ज की गई थी। एफआईआर में कुल मिलाकर तीन लोगों के नाम शामिल किया गया। इनमें हासन से भारतीय जनता पार्टी के पूर्व विधायक प्रीतम गौड़ा का नाम भी शामिल है। गौड़ा पर प्रज्ज्वल द्वारा पीड़िता के यौन शोषण के दौरान खींची गईं तस्वीरों को साझा करने का आरोप है। इस नई एफआईआर के साथ प्रज्ज्वल पर अब तक कुल चार मामले दर्ज हो गए।

31 मई को गिरफ्तार किए गए थे प्रज्ज्वल

पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवेगौड़ा के पोते प्रज्ज्वल को लोकसभा चुनाव में हार का सामना भी करना पड़ा है। हासन लोकसभा सीट पर मतदान संपन्न होने के अगले दिन यानी 27 अप्रैल को प्रज्ज्वल जर्मनी चले गए थे। इसके बाद जब वे 31 मई को भारत लौटे तो एसआईटी ने उन्हें एयपोर्ट पर ही गिरफ्तार कर लिया था। प्रज्ज्वल के खिलाफ केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने 'ब्लू कॉर्नर' नोटिस भी जारी किया गया था। प्रज्ज्वल रेवन्ना पर यौन उत्पीड़न के तीन मामले दर्ज हैं। इसके अलावा उन पर कई महिलाओं से दुष्कर्म का भी आरोप है। जब पूर्व सांसद के खिलाफ मामले दर्ज किए गए, इसके बाद जेडी-एस ने उन्हें पार्टी से भी निलंबित कर दिया था।

पूर्व विदेश सचिव मुचकुंद दुबे का निधन

नई दिल्ली। पूर्व विदेश सचिव मुचकुंद दुबे का बुधवार को दिल्ली के एक अस्पताल में इलाज के दौरान निधन हो गया। वह 90 वर्ष के थे। हृदय संबंधी समस्या के चलते दुबे को इस महीने की शुरुआत में अस्पताल में भर्ती कराया गया था। बृहस्पतिवार शाम लोधी रोड श्मशान घाट पर उनका दाह संस्कार किया जाएगा। दुबे के परिवार में पत्नी व दो बेटियां हैं। अनुभवी राजनयिक दुबे 1990-1991 में भारत के विदेश सचिव रहे। उन्होंने बांग्लादेश में भारत के उच्चायुक्त और संयुक्त राष्ट्र संगठन जिनेवा में भारत के स्थायी प्रतिनिधि की भी भूमिका निभाई।

'केजरीवाल जेल से बाहर न आ जाए, इस कोशिश में लगा पूरा तंत्र'

सीबीआई की गिरफ्तारी पर बोलीं पत्नी सुनीता

नई दिल्ली। दिल्ली मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को शराब घोटाला मामले में सीबआई ने बुधवार को गिरफ्तार कर लिया है। इस पर सीएम की पत्नी सुनीता केजरीवाल ने मोदी सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि पूरा तंत्र इस कोशिश में लगा है कि केजरीवाल जेल से बाहर न आ जाएं। यह तानाशाही नहीं तो क्या है। सुनीता केजरीवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया, '20 जून को अरविंद केजरीवाल को बेल मिली थी। इसके तुरंत बाद ईडी ने स्टे लगवा लिया। अगले ही दिन सीबीआई ने उन्हें आरोपी बना दिया और आज गिरफ्तार कर लिया। पूरा तंत्र इस कोशिश में लगा है कि बंदा जेल से बाहर ना आ जाए। ये कानून नहीं है। ये तानाशाही और इमरजेंसी है।'

सुनीता ने कोर्ट में की मुलाकात

सीबीआई ने औपचारिक रूप से गिरफ्तार करने के बाद केजरीवाल को राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश किया। इस दौरान उनकी पत्नी सुनीता सीएम केजरीवाल से मिलने कोर्ट पहुंचीं। सीबीआई ने जस्टिस अमिताभ रावत की अदालत में मुख्यमंत्री को पेश किया और चार दिन की पुलिस रिमांड की मांग की। केजरीवाल के वकील विक्रम चौधरी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेश हुए।

धीरे-धीरे पटरी पर लौट रही जिंदगी

कछार। भारी बारिश के कारण बाढ़ की मार झेल रहे असम को कुछ राहत मिलने लगी है। पिछले दिनों कम बारिश के चलते नदियों का जलस्तर भी घट गया है। इसके बाद से बाढ़ से प्रभावित लोगों की संख्या भी कम हो गई है। साथ ही बाढ़ प्रभावित जिलों की संख्या भी कम हो गई है। असम में बाढ़ की स्थिति में सुधार होने लगा है। बता दें रविवार को दो लाख से ज्यादा लोग बाढ़ से प्रभावित थे। बाढ़ के कारण असम के कुछ हिस्सों में पुल, घर, संस्थान, मवेशी शेड आदि तबा हो गए हैं। हालांकि प्रशासन द्वारा 149 शिविर और राहत वितरण केंद्र स्थापित किए गए हैं, यहां 26,000 से ज्यादा लोग शरण लिए हुए हैं। पिछले दिनों असम में बारिश कम हुई है, जिसके कारण से प्रमुख नदियों का जलस्तर भी घट गया है। इससे कारण बाढ़ से कुछ क्षेत्रों में राहत मिलने लगी है।

मौसम पंजाब, झारखंड, बंगाल में काफी कम बारिश, जुलाई-सितंबर के बीच अधिक बारिश की संभावना

देश में 19 फीसदी कम हुई बारिश, मानसून का इंतजार

एजेंसी । नई दिल्ली

जून का महीना बीतने वाला है लेकिन अब भी कई जगहों पर मानसून की बारिश का इंतजार हो रहा है। जून के महीने में मानसून की गति धीमी होने के कारण कई राज्यों में कम बारिश हुई है। जून के महीने में अब तक देश में 19% कम बारिश हुई है। झारखंड में दक्षिण-पश्चिम मानसून की धीमी गति के कारण जून में अब तक 67 प्रतिशत कम बारिश हुई है, जबकि प्रदेश के पांच जिलों में 80 फीसदी से अधिक की कमी दर्ज की गई है। ऐसा ही कुछ हाल पंजाब और बंगाल का है। यूपी, बिहार समेत कई राज्यों में जून के महीने में कम बारिश हुई है। इस साल मानसून की एंट्री समय से पहले हो गई थी लेकिन उसके बाद उसकी रफ्तार धीमी पड़ गई।

IMD ने बदला अनुमान

भारत मौसम विभाग (IMD) ने पहले इस महीने भारत के लिए सामान्य बारिश की भविष्यवाणी की थी। लेकिन 18 जून को, IMD ने अपना अनुमान बदलकर 'सामान्य से कम' कर दिया। इसका मतलब है कि इस महीने देश में औसत से कम बारिश हुई।

आखिर क्यों बदला अनुमान

मौसम विभाग के महानिदेशक डॉ मृत्युंजय महापात्रा ने बताया कि मौसम की स्थिति बदलती रहती है, इसलिए IMD लगातार पूर्वानुमान को अपडेट करता रहता है। उन्होंने कहा कि दक्षिणी भारत और पूर्वोत्तर राज्यों में भारी बारिश और उत्तर-पश्चिम भारत में कुछ कम बारिश का अनुमान था लेकिन बंगाल की खाड़ी की धारा कमजोर होने से पूर्वी राज्यों में मानसून की गति धीमी हो गई।

कहां कम हुई बारिश

- 25 जून तक भारत में 19% कम बारिश हुई है।
- उत्तर-पश्चिम भारत में सबसे ज्यादा 57% कम बारिश हुई है।
- पूर्वी और उत्तर-पूर्वी भारत में 16% कम बारिश हुई है।
- मध्य भारत में 23% कम बारिश हुई है।

उत्तर भारत में जल्द बारिश की उम्मीद

IMD का मानना है कि जुलाई से सितंबर तक सामान्य से अधिक बारिश होगी। मौसम विभाग के अनुसार मानसून की रफ्तार तेज हुई है। कई जगहों पर बारिश शुरू हो गई है और आने वाले दिनों में अच्छी बारिश की उम्मीद है। नए अनुमान के अनुसार अगले 3-4 दिनों में जम्मू और कश्मीर से उत्तराखंड, पंजाब और हरियाणा जैसे अधिकांश उत्तरी राज्यों में मानसून पहुंच सकता है।

कर्नाटक में तीन और डिप्टी सीएम की मांग

बेंगलुरु। कर्नाटक में तीन और डिप्टी सीएम बनाए जाने की मांग उठ रही है। कर्नाटक के कुछ मंत्री वीराशैवा-लिंगायत, SC/ST और माइनॉरिटी कम्युनिटी के नेताओं को डिप्टी सीएम दिए जाने की पैरवी कर रहे हैं। इसे लेकर मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा है कि इस मामले में कांग्रेस हाईकमान का फैसला फाइनल होगा। फिलहाल कर्नाटक में डिप्टी सीएम के पद पर वोक्कालिगा समुदाय के डीके शिवकुमार हैं। को-ऑपरेशन मिनिस्टर केएन राजन्ना, हाउसिंग मिनिस्टर बीजेड जमीर अहमद खान, पब्लिक वर्क्स मिनिस्टर सतीश जारकीहोली समेत कई अन्य नेताओं ने इस हफ्ते राज्य में तीन और डिप्टी सीएम बनाए जाने का मामला उठाया। ये सभी नेता सिद्धारमैया के करीबी माने जाते हैं।

कुछ नेताओं का मत- यह शिवकुमार को काबू में रखने का प्लान : राज्य में कांग्रेस के एक धड़े का मानना है कि मंत्रियों का तीन नए डिप्टी सीएम की मांग करना सिद्धारमैया कैंप के प्लान का हिस्सा है, ताकि मौजूदा डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार को काबू में रखा जा सके और सरकार और पार्टी में उनके प्रभाव को कम किया जा सके। दरअसल पिछले साल मई में राज्य में कांग्रेस की सरकार बनने के समय से ऐसी चर्चाएं हैं कि सरकार के ढाई साल पूरे होने के बाद शिवकुमार सीएम पर दावेदारी कर सकते हैं।